RNI : CTHIN/25/A1911

हिन्दी दैनिक

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 108 ● भिलाई, गुरुवार 30 अक्टूबर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में यूपीएससी अभ्यर्थी की हत्या का मामला पुलिस को 15 महिलाओं के अश्लील वीडियो मिले

नईदिल्ली। दिल्ली के गांधी विहार इलाके में संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) की तैयारी कर रहे 32 वर्षीय रामकेश मीणा की हत्या में पुलिस को चौंकाने वाली जानकारी मिली है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान अभ्यर्थी के फ्लैट से एक हार्ड डिस्क बरामद की गई है, जिसमें 15 से अधिक महिलाओं के अश्लील वीडियो थे। पुलिस ने सभी वीडियो फोरेंसिक प्रयोगशाला में भेजा है, जो महिलाओं की पहचान के लिए सामग्री की जांच कर रही है। सूत्रों ने मामले के जांच अधिकारी के हवाले से बताया कि ऐसा लगता है कि यूपीएससी अभ्यर्थी कई महिलाओं के साथ ऐसा करता था और उनके निजी वीडियो अपने लैपटॉप में रखता था। पुलिस का कहना है कि लैपटॉप अभी बरामद नहीं हुआ, लेकिन हार्ड डिस्क उनके कब्जे में है, जिसमें 15 से अधिक महिलाओं के अश्लील वीडियो हैं।

अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य पूरा, ट्रस्ट ने बताया

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो गया है। यह जानकारी श्रीराम जन्मभूमि तीरथ क्षेत्र के सचिव चंपत राय ने दी है। उन्होंने मंगलवार को बताया कि मंदिर में श्रद्धालुओं से जुड़े सभी कार्य पूरे हो चुके हैं। अब केवल वही कार्य चल रहा है, जिसका सीधा सरोकार श्रद्धालुओं से नहीं है। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में 10 एकड़ का पंचवटी भी बनाया जा रहा है, जिसका निर्माण कार्य तेजी से जारी है। ट्रस्ट सचिव राय ने बताया कि नागरशैली में बने राम मंदिर का निर्माण पूरा हो चुका है। भूतल पर रामलला और पहली मंजिल पर राम परिवार विराजित है। मंदिर के चारों ओर 800 मीटर लंबा आयताकार परकोटा बन चुका है। इसके कोनों पर शिव, गणेश, सूर्यदेव, देवी भगवती विराजमान हैं। दक्षिण में हनुमान और उत्तर में देवी अन्नपूर्णा मंदिर है। सभी पर ध्वजदंड लग चुके हैं।

कर्नाटक हाई कोर्ट से सिद्धारमैया सरकार को झटका

बेंगलुरु। कर्नाटक हाई कोर्ट ने मंगलवार को कांग्रेस सरकार को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने निजी संगठनों की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के सरकारी आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। यह आदेश न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिया है। साथ ही राज्य सरकार, गृह विभाग और हुबली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी किया है। कोर्ट मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को करेगा। यह आदेश राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ बताया जा रहा था। पुनश्चैतन्य सेवा संस्था ने सरकार के आदेश के खिलाफ याचिका दायर कर कोर्ट में तर्क दिया कि सरकार का कदम निजी संगठनों के वैध गतिविधियों के संचालन के अधिकारों का उल्लंघन करता है।

मरीनटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव में बोले पीएम मोदी

भारत के समुद्री क्षेत्र पर पूरी दुनिया को विश्वास-पीएम मोदी

मुंबई / एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को मुंबई में इंडिया मरीनटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव 2025 को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के इस कालखंड में भारत का समुद्री क्षेत्र बड़ी तेजी और ऊर्जा के साथ आगे बढ़ रहा है। इसी के साथ उन्होंने यह भी कहा कि देश के बंदरगाह अब विकासशील देशों में सबसे कुशल बंदरगाहों में गिने जाते हैं। पीएम मोदी ने कहा कि साल 2025 भारत के मरीनटाइम सेक्टर के लिए बहुत अहम साल रहा है। इंडिया मरीनटाइम वीक 2025 कार्यक्रम में उपलब्धियों को गिनाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही विझिंजम बंदरगाह पहला गहरे पानी का अंतर्राष्ट्रीय केंद्र है, जिसका परिचालन शुरू हो गया है। वर्ष 2024-25 में भारत के प्रमुख बंदरगाहों में अधिकतम कार्गो हैंडलिंग की जा रही है, जो एक नया रिकॉर्ड बनाएगी। पहली बार किसी भारतीय बंदरगाह कांडला बंदरगाह में मेगावाट पैमाने पर हरित हाइड्रोजन सुविधा शुरू हुई है। उन्होंने कहा कि जेएनपीटी जो कि भारत-मुंबई कंटेनर टर्मिनल है, उसकी हैंडलिंग क्षमता दोगुनी हो गई है और यह भारत का सबसे बड़ा कंटेनर बंदरगाह बन गया है। इसकी क्षमता के विस्तार को बड़े एफडीआई निवेश ने इसे संभव बनाया है और मैं इसके लिए सिंगापुर के पेशेवरों को धन्यवाद देता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि आज भारत के बंदरगाह विकासशील देशों में सबसे

कुशल बंदरगाहों में गिने जाते हैं। कई मायनों में वे विकसित देशों के बंदरगाहों से भी बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि साल 2024-25 में भारत के मेजर पोर्ट्स ने अब तक का सबसे अधिक कार्गो हैंडल करके भी नया रिकॉर्ड बनाया है। एक और बड़ा काम JNPT में हुआ है। JNPT में भारत-मुंबई कंटेनर टर्मिनल चरण-2 भी शुरू हो गया। इससे इस टर्मिनल की क्षमता भी दोगुनी हो गई है और ये भारत का सबसे बड़ा कंटेनर पोर्ट बन गया है। उन्होंने कहा कि नए शिपिंग कानून राज्य समुद्री बोर्डों की भूमिका को मजबूत करते हैं और बंदरगाह प्रबंधन में डिजिटल तकनीकों के एकीकरण को बढ़ावा देते हैं। मरीनटाइम लीडर्स कॉन्क्लेव में पीएम मोदी ने आगे कहा, साल 2016 में मुंबई में ही इस आयोजन की शुरूआत हुई थी और ये हम सभी के लिए खुशी की बात है कि आज ये समिट एक ग्लोबल इवेंट बन चुका है। आज यहां इस कार्यक्रम में दुनिया के 85 से अधिक देशों की भागीदारी अपने आप में एक बहुत बड़ा संदेश दे रही है। अभी यहां शिपिंग सेक्टर से जुड़ी कई योजनाओं का शुभारंभ हुआ है और शिपिंग सेक्टर्स में हुए लाखों-करोड़ों के एमओयू भी जारी हुए हैं। ये दिखाता है कि भारत के मैरीटाइम सेक्टर पर दुनिया का कितना विश्वास है।

समुद्री क्षेत्र में सुधार,नए आधुनिक कानून लागू

पीएम मोदी ने कहा कि इस वर्ष समुद्री क्षेत्र में भी सुधार हुए हैं, हमने औपनिवेशिक कानूनों को हटाकर नए आधुनिक कानून लागू किए हैं। ये कानून समुद्री बोर्ड को सशक्त बनाते हैं और बंदरगाहों पर डिजिटलीकरण को बढ़ावा देते हैं। हमने विधेयक को वैश्विक स्तर पर सुसंगत बनाया है और व्यापार में आसानी को बढ़ावा दिया है, जिससे निवेशकों को लाभ हो रहा है। तटीय नौवहन अधिनियम व्यापार को आसान बनाने के लिए बनाया गया है और आपूर्ति श्रृंखला सुरक्षा को समर्थन प्रदान करती है। एक राष्ट्र और एक बंदरगाह प्रक्रिया को भी मानकीकृत किया गया है। समुद्री क्षेत्र में बदलाव इतिहास है, समुद्री दृष्टि ने 100 और नए संग्रहालय बनाए हैं। अंतर्देशीय जलमार्ग कार्गो प्रबंधन में 700 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, परिचालन जलमार्ग 3 से 42 हो गए हैं, वार्षिक अधिशेष 9 गुना बढ़ गया है। भारत के बंदरगाहों की गिनती सबसे कुशल बंदरगाहों में होती है। आज भारत का औसत कंटेनर समय 3 दिन कम हो गया है, औसत पोत टर्नअराउंड समय 96 घंटे से 448 घंटे हो गया है।

नाबालिग से बलात्कार के मामले में

आसाराम छह महीने की जमानत मिली..

जोधपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय ने नाबालिग से बलात्कार के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे उपदेशक आसाराम को चिकित्सा आधार पर छह महीने की जमानत दे दी है. इससे पहले 84 वर्षीय आसाराम को तीन बार अंतरिम जमानत दी जा चुकी है. कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायमूर्ति संगीता शर्मा की पीठ ने सजा के निलंबन और नियमित जमानत के लिए उसकी याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया. आसाराम के वकील देवदत्त कामत ने दलील दी कि उनका मुवक्किल लंबे समय से बीमार है और जेल में

उसका उचित इलाज संभव नहीं है, इसलिए उसे बिना हिरासत के ज.मानत देने से उसके इलाज में आसानी होगी. दूसरी ओर, अतिरिक्त महाधिवक्ता दीपक चौधरी और पीड़िता के वकील पीसी सोलंकी ने याचिका का विरोध किया.

अगले दो दिनों तक अपने प्रयास जारी रखने का आह्वान किया

चक्रवात 'मोंथा' के कारण दो लोगों की मौत हुई,पर एहतियाती उपायों से नुकसान कम हुआ:सीएम नायडू

अमरावती. आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने बुधवार को कहा कि भीषण चक्रवाती तूफान 'मोंथा' के कारण राज्य में दो लोगों की मौत हो गई, लेकिन एहतियाती उपायों से 'नुकसान कम से कम हुआ है'. नायडू ने पूरी सरकारी मशीनरी से चक्रवात प्रभावित लोगों को और राहत पहुंचाने के लिए अगले दो दिनों तक अपने प्रयास जारी रखने का आह्वान किया. नायडू ने एक आधिकारिक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, अगर हम अगले दो दिन तक इसी तरह काम करते हैं तो हम लोगों को बहुत राहत दे सकते हैं. चक्रवात के कारण दो लोगों की मौत हुई है. विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जल्द से जल्द सामान्य स्थिति बहाल करने का निर्देश दिया

और मंत्रियों व अधिकारियों से कहा कि वे प्रभावित स्थानों का दौरा करके लोगों की शिकायतों का समाधान करें. मुख्यमंत्री ने विभागों से चक्रवात से हुए नुकसान का आकलन करने और केंद्र सरकार को विवरण प्रस्तुत करने को भी कहा. उन्होंने प्रभावित परिवारों को आवश्यक चीजें वितरित करने के आदेश दिए. मुख्यमंत्री ने चक्रवात के दौरान उखड़े हुए पेड़ों को हटाने और क्षतिग्रस्त बिजली लाइनों को ठीक करने के लिए युद्ध स्तर पर काम करने की खातिर राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ), पुलिस और अग्निशमन विभाग के अधिकारियों की विशेष रूप से सराहना की. नायडू ने कहा कि क्षतिग्रस्त बिजली अवसंरचना को बहाल करने के लिए 10,000 लोगों को तैयार रखा गया है और वादा किया कि बुधवार दोपहर तक सामान्य स्थिति बहाल कर दी जाएगी. इस बीच मुख्यमंत्री ने चक्रवात प्रभावित स्थानों का हवाई दौरा शुरू किया. विज्ञप्ति में कहा गया है कि उन्होंने बापटला, पालनाडू, कृष्णा, कोनासीमा और एलुरु जिलों का दौरा किया.दौरे के दौरान पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि चक्रवात के तट से टकराने पर तेज हवाएं चलीं।

अराजकता फैलाने वालों को कतई बर्दाशत नहीं

बिहार में जंगल राज की वापसी को रोकेगा राजग

सीवान/ एजेंसी

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि बिहार में डबल इंजन की सरकार अराजकता फैलाने वालों को कतई बर्दाशत नहीं करने की नीति पर काम कर रही है और राजग में शामिल दल राज्य में 'जंगल राज' की वापसी के किसी भी प्रयास को नाकाम कर देंगे। भाजपा नेता आदित्यनाथ ने लोगों से सर्वांगीण विकास के लिए राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को वोट देने की अपील करते हुए कहा कि बिहार के लोगों को ह्लराजद और कांग्रेस जैसी

उन ताकतों की जरूरत नहीं है जो अपराधियों को गले लगाती हैं। रघुनाथपुर में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा, बिहार में 'माफिया राज' को फिर से जिंदा करने के लिए ताकतें सक्रिय हैं, लेकिन उन्हें शुरूआत में ही खत्म कर दें। राजग में शामिल सभी दलों ने बिहार में 'जंगल राज' की वापसी को रोकने का फैसला किया है। बिहार में 'डबल इंजन' की सरकार अराजकता फैलाने वालों को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति पर चलती हैज् सरकार उसी दिशा में काम कर रही है। बाकी के लिए बुलडोजर मौजूद है। उन्होंने कहा, अपराधियों को गले लगाने वालीं राजद, कांग्रेस को बिहार की सत्ता में न आने दें। आदित्यनाथ ने आरोप लगाते हुए कहा, ह्लकांग्रेस और राजद जैसी ताकतें औरंगजेब की कब्र पर 'सजदा' करने की आदी हैं।

जयपुर में हाइटेंशन लाइन से टकराने के बाद बस में लगी आग

जयपुर। राजस्थान में एक और बस हादसा सामने आया है। राजधानी जयपुर में मजदूरों से भरी स्लीपर बस हाइटेंशन तार से टकरा गई, जिसके बाद उसमें आग लग गई। हादसा जयपुर से 50 किलोमीटर दूर ग्रामीण क्षेत्र के मनोहरपुर में हुआ है। घटना में 10 लोग झुलस गए, जबकि 3 लोगों की मौत हो चुकी है। बस में गैस सिलेंडर भी रखे थे, जिनमें विस्फोट हुआ है। करीब 5 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। मजदूरों से भरी बस उत्तर प्रदेश के बरेली से मनोहरपुर आई थी। मजदूरों को टोड़ी स्थित ईंट भट्टे पर उतारा जाना था। तभी रास्ते में बस ऊपर से गुजर रही। 11,000 वोल्ट की लाइन टूटकर बस पर गिरी, जिससे बस में करंट फैल गया ।

धर्मेन्द्र प्रधान ने राहुल गांधी पर कसा तंज

सारी हदें पार की,बिहार की प्रगति बर्दाश्त नहीं-प्रधान...

पटना/ एजेंसी

भाजपा के बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और छठ पर्व के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने आज सारी हदें पार कर दीं। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि राहुल गांधी ने जो कहा, उसकी निंदा करने के लिए कोई शब्द पर्याप्त नहीं है। बिहार की जनता पिछले दो दशकों से राजद और कांग्रेस के 'जंगल राज' के खिलाफ मतदान करती

आ रही है। धर्मेंद्र प्रधान ने विपक्ष पर बिहार के युवाओं की आकांक्षाओं को बार-बार कुचलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इससे पहले भी विपक्ष के नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां का अपमान किया था। बिहार चुनाव प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान ने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार की प्रगति को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी द्वारा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर की गई टिप्पणी पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी कौन होते हैं नीतीश कुमार पर बयान देने वाले? उन्होंने कहा कि बिहार की जनता उन्हें गुमराह करने वालों को सबक सिखाएगी। धर्मेंद्र प्रधान ने तेजस्वी यादव पर भी खूब बोला। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव और इनकी बातों को कोई गंभीरता से नहीं ले रहा है।

भारतमाला मुआवजा राशि घोटाला....

एक महिला सहित तीन पटवारियों को एसीबी ने किया गिरफ्तार

रायपुर। संवाददाता

भारतमाला परियोजना रायपुर विशाखापट्टनम प्रस्तावित इकॉनामिक कॉरीडोर के भू-अर्जन प्रकरण में मुआवजा घोटाले में शामिल एक महिला सहित तीन पटवारियों को एसीबी-ईओडब्ल्यू ने गिरफ्तार किया है. तीनों पटवारियों दिनेश पटेल (तत्कालीन पटवारी नायकबांधा), लेखराम देवांगन (तत्कालीन पटवारी टोकरो) व बसंती घृतलहरे (तत्कालीन पटवारी भेलवाडीह) पर आरोप है कि वर्ष 2020 से 2024 के बीच शासन द्वारा अर्जित भूमि को पुनः शासन को विक्रय कर मुआवजा देने, बैक डेट में बंटवारा और नामांतरण करना, भूमि स्वामी के बदले किसी अन्य को मुआवजा देने एवं निजी भूमि के गलत मुआवजा तथा उसके टुकड़े कर उपखण्डों में विभाजित कर मुआवजा राशि हड़प कर शासन के साथ छल करते हुए धोखाधड़ी कर करोड़ों रुपए की आर्थिक क्षति पहुंचाई. मामले में एसीबी में पंजीबद्ध अपराध क्रमांक ङ्क 30 / 2025, धारा ङ्क 7 सी, 12 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 यथासंशोधित भ्र.नि. (संशोधन) अधिनियम 2018 एवं धारा 409, 467, 468, 471, 420, 120बी भादवि के तहत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर विशेष अदालत में पेश करने की तैयारी की जा रही है. इसके पहले उच्च न्यायालय ने इनकी गिरफ्तारी में रोक लगाई थी. 28 अक्टूबर को उच्च न्यायालय के गिरफ्तारी से रोक हटाने जाने के पश्चात् इन्हें गिरफ्तार किया गया है. इसके पहले 13 अक्टूबर को 2 जनसेवक के साथ 10 आरोपियों के

विरूद्ध प्रथम अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया था. रायपुर-विशाखापट्नम इकॉनामिक कॉरिडोर भू-अर्जन मुआवजा घोटाले में शासन द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर करोड़ों रुपए का घोटाला सामने आया है. पूरी जांच रिपोर्ट आने के बाद आर्थिक क्षति की राशि और बढ़ सकती है. जमीन को कई टुकड़ों में बांटकर यह घोटाला किया गया है. रायपुर विशाखापट्नम इकोनॉमिक कॉरिडोर में हुई आर्थिक गड़बड़ी पर एनएचएआई के अधिकारियों ने भी आपत्ति जताई थी. एनएचएआई की आपत्ति के बाद जांच रिपोर्ट को सचिव राजस्व विभाग को भेजा गया था और मुआवजा वितरण रोका गया था।

सीजीपीएससी घोटाला: सुप्रीम कोर्ट से चार आरोपियों को मिली राहत -टामन सोनवानी के बेटे, भतीजे और कारोबारी गोयल के बेटे-बहू को मिली जमानत

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग घोटाला केस में सुप्रीम कोर्ट ने 4 आरोपियों को जमानत दे दी है। रायपुर जेल में बंद पीएससी के पूर्व चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी के बेटे नितेश सोनवानी, भतीजे साहिल सोनवानी, कारोबारी श्रवण गोयल के बेटे शशांक गोयल और बहू भूमिका कटियार को सुप्रीम कोर्ट से राहत मिली है। चोरों आरोपी पिछले कुछ महीनों से न्यायिक हिरासत में थे। सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए जमानत मंजूर की है। इन

पर सीजीपीएससी परीक्षा घोटाले के चयन प्रक्रिया में गड़बड़ी के आरोप लगाए गए हैं। मामले की जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो कर रही है। सीजीपीएससी घोटाला मामले में सीबीआई ने 30 सितंबर को स्पेशल कोर्ट में 2000 पन्नों का पहला पूरक चालान पेश किया था। इस चालान में घोटाले से जुड़े कई अहम खुलासे किए गए थे।

CMYK

ज्योति सोनी ने अपनी मधुर आवाज से श्रोताओं का मन मोहा

दल्लीराजहरा। छत्तीसगढ़ में लोकप्रिय लोकगायिका के रूप में पहचान बनाने वाली लोक गायिका ज्योति सोनी व उनकी टीम द्वारा खलारी के सांस्कृतिक कार्यक्रम में लोकगीत और उनकी मिट्टी की महक से सरोवर हो उठी। ज्योति सोनी (टी.ज्योति) तीन बार की वर्तमान पार्षद है, समाजसेवा के साथ साथ संगीत में रूचि रखती है। ज्योति सोनी ने अपनी मधुर आवाज से श्रोताओं का मनमोहन लिया। उनकी टीम में लोकगीत में ज्योति भट्टी, विज्जु, चंचल ने लोक गीत का सुंदर प्रस्तुति दी व 35 कलाकारों ने आयोजन स्थल पर देर रात्रि से सुबह तक झूमते सुर और ताल की लहरे गूंजती रही। जिसमें लोक संस्कृति की सुंदरता और परंपरा का जीवंत झलक रहा था। कार्यक्रम का आयोजन गणेश समिति खलारी कुम्हार पसरा बालोद जिला द्वारा किया गया था। ज्योति सोनी ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लोग संस्कृति से जुड़े गीतों के साथ आधारित लोकनृत्यों की भी प्रस्तुति दिया गया। सांस्कृतिक समारोहों का उद्देश्य विभिन्न समुदायों की लोक परंपराओं को आगे बढ़ाना है ताकि आने वाली पीढ़ियां अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ी रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य लोग, समाजिक कार्यकर्ता और सांस्कृतिक प्रेमी उपस्थित थे।

कवर्धा से शुरू हुआ शिक्षा का डिजिटल युगः उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने एक साथ 17 स्कूलों में स्मार्ट क्लास की ऐतिहासिक शुरुआत की

कवर्धा। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा विकासखंड के 17 शासकीय विद्यालयों में एक साथ स्मार्ट क्लास सुविधा का शुभारंभ कर छत्तीसगढ़ में शिक्षा के डिजिटलीकरण की दिशा में ऐतिहासिक पहल की है। यह कार्यक्रम ग्राम बिरकोना के उच्चतर माध्यमिक शाला से वर्चुअल माध्यम से संपन्न हुआ, जिसमें जिले के विभिन्न स्कूल ऑनलाइन जुड़े रहे। कार्यक्रम के आरंभ में उपमुख्यमंत्री शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात उन्होंने स्मार्ट क्लास की तकनीकी कार्यप्रणाली का अवलोकन किया तथा शिक्षकों से इसके प्रयोग, मेंटेनेंस और डिजिटल कंटेंट प्रबंधन की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ बैठकर डिजिटल बोर्ड के माध्यम से 'हृदय की संरचना', 'प्रकाश का अपवर्तन' और 'पादप हार्मोन' जैसे विषयों के थ्रीडी एनिमेशन देखे और स्वयं स्मार्ट बोर्ड संचालित कर इसकी उपयोगिता को परखा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि यह पहल केवल उपकरण या तकनीक की उपलब्धता नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा प्रणाली में बदलाव की शुरुआत है। थ्रीडी विजुअल और इंटरैक्टिव लर्निंग से कठिन विषय भी अब विद्यार्थियों के लिए सरल और रोचक बन जाएंगे। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में कवर्धा विकासखंड के 17 स्कूलों में यह सुविधा प्रारंभ की गई है, जबकि सीएसआर मद से कुल 50 स्कूलों तक इसे विस्तार देने का लक्ष्य है। अगले चरण में सहसपुर लोहारा और बोड़ला विकासखंड के विद्यालयों में भी स्मार्ट क्लास सुविधा शुरू की जाएगी। आगे चलकर कुल 74 विद्यालयों को स्मार्ट क्लास से सुसज्जित करने का लक्ष्य रखा गया है। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने यह भी कहा कि प्रत्येक विद्यालय विषयवार साप्ताहिक शैक्षणिक शेड्यूल तैयार करे तथा डिजिटल वीडियो लाइब्रेरी विकसित की जाए। उन्होंने स्कूल-टू-स्कूल लर्निंग एक्सचेंज सिस्टम की परिकल्पना रखते हुए कहा कि एक विद्यालय का अनुभव दूसरे विद्यालय के विद्यार्थियों तक पहुंचे, ताकि सहयोगात्मक और प्रतिस्पर्धात्मक सीखने का वातावरण तैयार हो सके। उन्होंने कहा सफलता के लिए कोई शॉर्टकट नहीं होता। कठोर परिश्रम ही लक्ष्य प्राप्ति का एकमात्र मार्ग है। सही को सही और गलत को गलत कहने का साहस ही सच्चे शिक्षित व्यक्ति का प्रमाण है। कार्यक्रम में उन्होंने यह भी बताया कि जिले के 44 विद्यालयों में शेड निर्माण की स्वीकृति दी गई है, साथ ही विद्यार्थियों के मानसिक और व्यवहारिक सुदृढ़ीकरण हेतु वरिष्ठ प्रबुद्धजनों की काउंसलिंग योजना लागू की जाएगी। यह पहल केवल शिक्षण नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण और जीवन मूल्यों की स्थापना की दिशा में एक समग्र शैक्षणिक अभियान है।

शुभारंभ में शामिल स्कूल

स्वामी करपात्री उच्चतर माध्यमिक शाला कवर्धा, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल कवर्धा, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल पिपरिया, उच्चतर माध्यमिक शाला रवेली, उच्चतर माध्यमिक शाला बिरकोना, स्वामी आत्मानंद हिंदी माध्यम स्कूल कवर्धा, उच्चतर माध्यमिक शाला बम्हनी, उच्चतर माध्यमिक शाला कोको, उच्चतर माध्यमिक शाला सोनपुरीरानी, उच्चतर माध्यमिक शाला जेवडनखुर्द, स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल कचहरीपारा कवर्धा, हाईस्कूल बरबसपुर, हाईस्कूल बारदी, हाईस्कूल अमलीडीह, हाईस्कूल नेवारी, हाईस्कूल पथर्रा और हाईस्कूल छिरहा शामिल हैं। इस अवसर पर बोड़ला जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि रामकिंकर वर्मा, नगर पंचायत अध्यक्ष विजय पाटिल, जिला पंचायत सदस्य राजकुमार मेरावी, ललिता रूपसिंह धुर्वे, मोहन धुर्वे, गजानंद यादव, मीलू साहू, सुनील साहू, शिक्षकगण, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण व विद्यार्थी उपस्थित थे।

धौराभाटा (धमधा) मड़ई मातर और लक्ष्मी पूजन में शामिल हुए आशीष छाबड़ा

बेमेतरा। बेमेतरा के पूर्व विधायक एवं जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष आशीष छाबड़ा बेमेतरा विधानसभा क्षेत्र के ग्राम धौराभाटा (धमधा) में आयोजित मडई मातर तथा लक्ष्मी पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए इस दौरान पूर्व विधायक आशीष छाबड़ा ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की लोक संस्कृति का यह आयोजन न केवल मातृशक्ति की आराधना का पर्व है बल्कि यह एक सामाजिक मिलन का भी पर्व है जिसमें हम सभी आपस में मिलजुल कर अपने ग्राम में आपसी भाईचारे के साथ एक होकर दीपावली पर्व मंडई मातर एवं लक्ष्मी पूजन का आयोजन करते हैं छत्तीसगढ़ की यह संस्कृति ही हमें आपस में बाधे हुए रखी है और हमारे पुरखों की यह अनमोल विरासत को हमें हमेशा इसी तरह सजो कर रखना है आपसी भाईचारे और सौहार्द का यह पर्व हम सभी के जीवन में खुशियां लेकर आए ग्रामीण अंचलों में जो इस परम्परा का निर्वहन किया जा रहा है। वास्तव में यहीं हमारी संस्कृति को समृद्ध और संरक्षित किया गया है। इस अवसर पर उपस्थित सूर्य प्रकाश शर्मा पूर्व विधायक प्रतिनिधि बेमेतरा उषा सोनवानी सदस्य जिला पंचायत दुर्ग ओनी महिलांग मनोज शर्मा धनराज बंजारे लक्ष्मी साहू भागवत साहू पुनउ साहू जितेंद्र साहू दाऊ राम यादव संस्कार शर्मा खुमान साहू टीकम साहू एवं यूवा महालक्ष्मी समिति के सदस्य सहित भारी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

कृषि पर चक्रवात मोंथा का आंशिक असर, खेत मे गश खा रही किसानों की हरा सोना

डोंगरगांव नगर। नगर सहित अंचल में बेमौसम बारिश ने कहर ढा दिया है। नवरात्रि के बाद से जारी मौसम की बेरुखी दीवाली तक बारिश में तब्दील होने से किसानों की हरूना किस्म की फसलें प्रभावित हुईहैं। वहीं हालिया दिनों पड़ोसी राज्यों में कहर मचा रहे मोंथा नामक चक्रवात का भी छग में विशेषकर कृषि में प्रतिकूल असर देखा जा रहा है, क्योंकि कुछ स्थानों पर बारिश के

किसानों की तैयार फसल पर मौसम की मार

साथ तेज हवाऐं तथा तूफान से खड़ी फसलें खेत लिपट कर गश खाने लगी है।उल्लेखनीय है कि फसल में कीटव्याधि माहू, ब्लास्ट व तनाछेदक से निपटने बार बार कीटनाशक दवाई छिड़काव से किसानों का बजट बिगड़ गया है। गौरतलब है कि अंचल पूर्ण रूपेण कृषि आधारित है, इस वर्ष खरीफ की अच्छी फसल होने का अनुमान था, जहां की मौसमी फिजा में नवरात्रि के बाद आए बदलाव व बारिस ने किसानो को झकझोर कर रख दिया है। फसल में माहू व ब्लास्ट जैसे बिमारियों के प्रकोप से हलाकान किसानों की हरूना की अधपकी फसलें जमीन में लिपटी हुई है, जिसके पक जाने के बाद भी किसानो को कटाई में अत्यधिक लागत व नुकसान के आसार बन गए हैं। इन दिनों पड़ोसी राज्यों में जारी चक्रवात मोंथा के भी आंशिक असर महसूस किए जा रहे हैं। तेज हवाएं चलने से पकने के कगार पर आए हरूना की फसलें खेतो में मिट्टी से लिपटे नजर आ रहे हैं, जिससे किसानो की मेहनत पूरी तरह से बेकार होने के कगार पर है। हालांकि अधिकतर किसानो के फसल अभी कटे नही, फिर भी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है।

हरूना फसल की कटाई शुरू

अंचल में हरूना किस्म की फसलें पक कर तैयार है। कुछ स्थानों पर कटाई भी प्रारंभ हो गई है। तो एक वर्ग खेतों में मिट्टी गीली होने से मौसम साफ होने अथवा काले बादल छंटने के इंतजार में हैं। कुछ किसान कीटव्याधि से उबरने के इंतजार में हैं। उल्लेखनीय है कि अंचल में हरूना की लगभग 30 फीसदी फसल चौपट मानी जा रही है।

लिपटे फसलों में अंकुरण का डर

अंचल में किसान वर्ग इस बार मौसम के रूख से उबर नही पाए हैं, कि आधे अधूरे तैयार हरूना इन दिनो जारी बेमौसम व अनावश्यक बारिस के बाद कीटव्याधि ब्लास्ट, माहू व तनाछेदक के भेंट चढ़ने के कगार पर आ गये हैं। किसानों की हरुना फसलें तो कटने भीलगी है। वैसे दिवाली के बाद से ही किसान अपनी मेहनत को समेटने में जुटे हुए हैं, लेकिन फसल के गीले खेत में लिपटे होने से धान की बाली में अंकुरण का भय किसानो को सताने लगी है।

व्यापारियों से पैसा वसूलने के मामले में श्रम निरीक्षक निलंबित

बलौदाबाजार। व्यापारियों से पैसा वसूलने के मामले में त्वरित एवं बड़ी कार्रवाई करते हुए श्रमायुक्त द्वारा भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के चलते श्रम निरीक्षक रामचरन कौशिक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। कलेक्टर दीपक सोनी द्वारा गठित जांच समिति की प्रारंभिक जांच रिपोर्ट में पाया गया कि श्रम पदाधिकारी बलौदाबाजार में पदस्थ श्रम निरीक्षक रामचरन कौशिक द्वारा कार्यक्षेत्र में भ्रमण के दौरान कथित रूप से अवैध वसूली और अनियमितताएं की गई हैं। श्रम आयुक्त, छत्तीसगढ़ द्वारा रिपोर्ट के आधार पर श्रम निरीक्षक रामचरन कौशिक को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम 1966 के नियम-9 के तहत निलंबित किया गया है।

सकुल शैक्षिक समन्वयकों की बैठक में स्वच्छ एवं हरित विद्यालय एफएलएन मेला एवं सेवा पुस्तिका सत्यापन का निर्देश

बेमेतरा। जिले के समस्त संकुल शैक्षिक समन्वयकों की बैठक शासकीय बालक उच्च माध्यमिक विद्यालय, बेमेतरा में आयोजित की गई। बैठक में शिक्षा व्यवस्था को अधिक सुदृढ़, स्वच्छ एवं अनुशासित बनाने हेतु विस्तृत निर्देश दिए गए। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि स्वच्छ एवं हरित विद्यालय का मूल्यांकन सीऐसी द्वारा किया जाएगा। सभी विद्यालयों में भवन की रंगाई-पुताई का कार्य 30 अक्टूबर तक पूर्ण कर फोटोग्राफ साझा करने के निर्देश दिए गए। विद्यालयों को एजुकेशनल फोटो एवं वीडियो ग्रुप में जोड़ा जाएगा, साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि फोटो के बैकग्राउंड में कूड़ा-कचरा न हो और जूते-चप्पल व्यवस्थित रखे जाएँ। इसके अतिरिक्त, ष्टद्दह्यष्द्धश्चश्द्य.द्बठ्ठ पोर्टल में सभी शिक्षकों को ऑनलाइन अवकाश अनिवार्य रूप से दर्ज करने और संस्था प्रमुख द्वारा अग्रेषित करने के निर्देश दिए गए। विद्यालयों की मूलभूत सुविधाओं की जानकारी अद्यतन करना भी आवश्यक बताया गया, क्योंकि इन्हीं के आधार पर मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की स्वीकृति दी जाएगी। बैठक में यह भी तय किया गया कि 14 नवंबर को एफएलएन मेला प्रत्येक प्राथमिक एवं बालवाड़ी से संबद्ध विद्यालयों में आयोजित होगा, जिसमें गतिविधि आधारित स्टाल लगाए जाएंगे। वहीं 7 दिसंबर को उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत असाक्षरों की परीक्षा आयोजित होगी, जिसमें शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। युक्तिकरण प्रक्रिया के तहत मर्ज विद्यालयों में वरिष्ठतम विद्यालय के प्राचार्य को संस्था प्रभारी बनाया जाएगा।

खुड़मुड़ी मे अवैध शराब एवं गांजा बिक्री पर प्रतिबंध लगाने हेतु कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

बेमेतरा। ग्राम खुड़मुड़ी मे अवैध शराब एवं गांजा बिकी पर प्रतिबंध लगाने हेतु कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया कलेक्टर एवं सिटी कोतवाली पुलिस को लिखित जानकारी देते हुए ग्रामीणों ने बताया कि ग्राम पंचायत नवागांव (खु.) के अतर्गत ग्राम खुड़मुड़ी के समस्त ग्रामवासियों द्वारा सभी एक मत से निर्णय लिया गया है कि ग्राम खुडमुड़ी में अवैध रूप से शराब बिक्री एवं गांजा बिक्री होती है जिससे गांव के लोगों को सुबह शाम रात्रि को यहाँ आसानी से मिल जाता है जिससे गांव में शराब पी कर विवाद करते है गांव मे जबरदस्ती लड़ाई झगड़ा करते है। रात्रि 10, 11, 12 बजे रात्रि तक बीच चौराहे में मंदीर में स्कूल गौठान में खुले आम शराब पीते है जिससे गांव में शराब व गांजा अवैध रूप से बेचना प्रतिबंध किया जाए गांव मे रात्रि 10 बजे के बाद चार, पाँच व्यक्ति एक साथ घुमने की भी प्रतिबंध किया गया है। जिससे गांव की शांति बना रहे। गांव मे लड़ाई झगड़ा विवाद होना बंद हो जायेगी। इसलिए खुड़मुड़ी ग्राम में अवैध रूप से शराब व गांजा बेचना मना करवाने और गांव में शांति व्यवस्था की व्यवस्था किया जाएं।

वनांचल में ठप्प आपात सेवा: कुकदूर स्वास्थ्य केंद्र की 108 एंबुलेंस चार दिन से सड़क किनारे खड़ी, मरीजों की जिंदगी खतरे में

कवर्धा। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वनांचल अंचल के कुकदूर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की 108 आपातकालीन एंबुलेंस पिछले चार दिनों से खराब होकर पंडरिया-कवर्धा मुख्य मार्ग के दशरंगपुर गांव के पास रोड किनारे खड़ी है। इससे दूरस्थ ग्रामीण इलाकों के मरीजों को आपात स्थिति में गंभीर परेशानी झेलनी पड़ रही है। मिली जानकारी के अनुसार, वाहन क्रमांक सीजी 04 एमजेड 1853 विगत चार दिनों से तकनीकी खराबी के चलते सड़क किनारे निष्क्रिय है। इस वजह से वनांचल क्षेत्र के कई मरीजों को अस्पताल तक पहुंचाने में कठिनाई हो रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि किसी गंभीर मरीज या प्रसूता महिला को तत्काल इलाज की जरूरत पड़ जाए, तो उसकी जान जोखिम में पड़ सकती है। स्थानीय नागरिकों ने बताया कि स्वास्थ्य सेवाओं में यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। जीवन बचाने वाली सेवा अब खुद मौत का इंतजार कर रही है, – ग्रामीणों ने कहा। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि खराब एंबुलेंस की त्वरित मरम्मत की जाए और भविष्य में ऐसी स्थिति न बने, इसके लिए आपातकालीन वाहनों की नियमित जांच और निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करना, ताकि हर जरूरतमंद को समय पर चिकित्सा सुविधा मिल सके। यह स्थिति स्वास्थ्य तंत्र की वास्तविक जमीनी स्थिति को उजागर करता है और शासन-प्रशासन को जवाबदेही के प्रति सजग करने का संदेश देता है – ताकि भविष्य में किसी भी मरीज की जान संसाधनों की कमी से न जाए।

शिक्षिका आंचल वर्मा ने शा प्रा शाला कन्तेली में दिया फर्नीचर दान

बेमेतरा। शासकीय प्राथमिक शाला कन्तेली में पदस्थ शिक्षिका आंचल वर्मा ने कक्षा एक के विद्यार्थियों को स्वयं के खर्चे पर फर्नीचर निर्माण कराकर दान दिया है, जिसमें उन्होंने कक्षा शिक्षण में बहु उपयोगी शैक्षणिक टीएलएम बनाया है। शिक्षिका ने फर्नीचर सामग्री ग्राम पंचायत कन्तेली के सरपंच महावीर वर्मा एवं प्रधान पाठिका शीतल राजपूत तथा शाला प्रबंधन समिति के अध्यक्ष देवेंद्र वर्मा एवं पालक नरसिंह वर्मा के समक्ष कक्षा में यह फर्नीचर समर्पित किया शिक्षिका द्वारा बनवाए गए फर्नीचर में शैक्षणिक टी एल एम जिसमें कक्षा एक के विद्यार्थियों के लिए अंग्रेजी अल्फाबेट हिंदी भाषा के मात्रात्मक ज्ञान तथा गणितीय अंकों के ज्ञान एवं संक्रियाओं से संबंधित सामग्री लिखी गई है जिससे बच्चे अपने टेबल में देखकर भी सीख सके समझ सके। शिक्षिका द्वारा दिए गए इस दान की प्रशंसा करते हुए ग्राम पंचायत के सरपंच महेश वर्मा ने कहा कि शिक्षिका का यह प्रयास बच्चों की शिक्षा में महत्वपूर्ण योगदान होगा। बच्चों को टेबल में लिखने से आसानी होगी, साथ ही साथ टेबल में जो शिक्षिका ने मेहनत की है, उसका निश्चय ही बच्चों की शिक्षा पर बेहतर प्रभाव पड़ेगा। इस अवसर पर प्रधान पाठिका का शीतल राजपूत ने कहा कि शिक्षिका आंचल वर्मा का अपने कक्षा एवं शाला को हमेशा से ही सहयोग मिलता रहा है वह किसी ना किसी रूप में शाला को हमेशा सहयोग करती है कुछ दिनों पूर्व ही उन्होंने बच्चों को स्वच्छ पेयजल मिल सके, इसके लिए वॉटर कैन एवं बैठने के लिए चटाई का दान किया था और जो शिक्षिका के द्वारा टेबल फर्नीचर बनवाकर और उसमें शैक्षणिक टीएलएम का निर्माण करके अपनी कक्षा में दान दिया गया है, वह बच्चों की शिक्षा में बहुत ही सहायक होगा। यह शिक्षिका के द्वारा किया गया बहुत ही बेहतर नवाचार है। प्राथमिक स्तर के बच्चे इस तरह अपने ही टेबल पर बने हुए शैक्षणिक सामग्री को देखकर सीख सकेंगे समझ सकेंगे साथ ही साथ बच्चों को बहुत सारी शैक्षणिक सामग्री इस टेबल के माध्यम से उपलब्ध हो पाएगी प्रधान पाठिका ने शिक्षिका के द्वारा दिए गए दान के प्रति शाला परिवार की ओर से आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर शिक्षक गितेश मिश्रा शिक्षिका नीता देशमुख देशमुख तथा अजीम प्रेमजी संस्थान से साक्षी वाडले उपस्थित थे।

छठ पूजा घाट पर कांग्रेसियों ने दी बधाई

दल्लीराजहरा। सूर्य उपासना और लोक आस्था का महापर्व छठ पूजा पर नगर के मध्य में स्थित छठ घाट पर उपस्थित हो कर कांग्रेसजनों ने छठ उपासक, छठ व्रतियों और नगर वासियों को छठ पर्व की बधाई दी। छठ महापर्व पर पूर्व मंत्री व क्षेत्रीय विधायक अनिला भेड़िया ने बधाई देते हुए कहा कि चार दिन तक चलने वाले इस छठ पर्व में व्रती महिलाएं अपने पति पुत्र और परिजनों के उत्तम स्वास्थ्य दीर्घ आयु जीवन के लिए कठिन व्रत रखती है। नगर वासियों को छठ पूजा की बधाई और ढ़ेर सारी शुभकामनाएं छठी मईया सभी की मनोकामना को पूर्ण करें। हर वर्ष छठ पूजा के लिए सुंदर और भव्य तैयारी के लिए छठ आयोजन समिति के अध्यक्ष राजकिशोर सिंह, अभय सिंह, पी के सिंह, रवि जायसवाल, प्रमोद तिवारी, संतोष बर्नवाल, स्वप्निल तिवारी, बृहस्पति सिंह, भीम सिंह, वीडी सिंह, बाल मुकुंद सिंह, वशिष्ठ प्रसाद रस्तोगी, अश्वनी दुबे, विजय सिंह, जोगेंद्र ठाकुर, रामजतन भारद्वाज सहित सभी पदाधिकारियों व सदस्यों को छठ पर्व की बधाई दी गई।

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सुरेश कुमार ठाकुर के निमंत्रण पर उनके परिवारजनों अशोक ठाकुर जवाहर ठाकुर, सुरेश कुमार, दिनेश ठाकुर राजेश ठाकुर, अमित ठाकुर, महेश ठाकुर राकेश ठाकुर शुभम, चंदन, संस्कार ठाकुर हिमांशु कुमार, समर्पित ठाकुर, पीयूष, निहाल, ठाकुर रणवीर सिंह, अर्पित, वेदांत, आयुष ठाकुर, रुदल ठाकुर, राजकुमारी, बिंदा देवी, अनीता ठाकुर, रूबी ठाकुर, रमावती, गीता, रूबी, अनु, अंजलि, उषा, खुशबू, रानी ठाकुर, संस्कृति, आराध्या, मुस्कान, माला, रियांश, आयुषी, अंशिका, श्रेयांशी, खुशी, प्रशांत ठाकुर, नंदा ठाकुर के साथ संध्या कालीन डूबते सूर्य को प्रथम अर्घ्य देते हुए पूजा अर्चना व छठ आरती में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष शीबू नायर, मंडल अध्यक्ष विवेक मसीह, विधायक प्रतिनिधि रतिराम कोसमा, जिला उपाध्यक्ष संगीता नायर, जिला महामंत्री काशीराम निषाद,जिला सचिव रवि जायसवाल, राम जतन भारद्वाज, युवराज साहू, पूर्व पार्षद प्रमोद तिवारी, स्वप्निल तिवारी जिला संयुक्त महामंत्री विजय जोगदंड, झुग्गी झोपड़ी प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रदीप कुमार, रामू शर्मा, युवा कांग्रेस अध्यक्ष परितोष हंसपाल, एनएसयूआई अध्यक्ष आकाश सिंह, विनय बलवीर, जोगेंद्र ठाकुर, प्रमोद चौधरी, लक्ष्मण शर्मा सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा पुनः स्थापित की गई

रायपुर। राजधानी के वीआईपी चौक पर छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा को तोड़े जाने की घटना के बाद सोमवार को नई प्रतिमा पुनः स्थापित कर दी गई है। इस घटना के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, जो प्रारंभिक जांच में मानसिक रूप से अस्वस्थ बताया जा रहा है। घटना रविवार को तेलीबांधा थाना क्षेत्र के वीआईपी चौक में हुई थी, जहां अज्ञात व्यक्ति ने महतारी की प्रतिमा को उखाड़ दिया था। इस घटना से स्थानीय लोगों और छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना में गहरा आक्रोश फैल गया था। उन्होंने तत्काल विरोध प्रदर्शन करते हुए दोषियों की गिरफ्तारी की मांग की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेकर एफआईआर दर्ज की और जांच शुरू की थी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने भी इस प्रकरण पर सख्त प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और कठोर कार्रवाई की जाएगी। अब प्रतिमा के पुनः स्थापित होने से लोगों में राहत और संतोष का माहौल है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन के त्वरित कदम की सराहना करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ महतारी की गरिमा हर हाल में बनी रहनी चाहिए।

स्पा सेंटर संचालक से लाखों रुपए की लूट, पुलिस जांच में जुटी

रायपुर। राजधानी के राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में रविवार रात एक वेलनेस स्पा सेंटर के संचालक से 20 से 25 बदमाशों ने सवा लाख रुपए की लूट कर ली। आरोप है कि बदमाश खुद को एक राजनीतिक संगठन से जुड़ा बताकर संचालक से प्रोटेक्शन मनी की मांग कर रहे थे। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। राजेंद्र नगर स्थित वेलनेस स्पा सेंटर के संचालक सन्नी मनवानी ने शिकायत में बताया कि रात करीब 8 बजे 20-25 युवक स्पा सेंटर में घुस आए। उन्होंने अपने आप को कथित रूप से शिवसेना से जुड़ा बताया और सुरक्षा के नाम पर पैसे देने का दबाव बनाया। इसी दौरान एक युवक ने दराज खोलकर 20 हजार रुपए नकद निकाल लिए। इसके बाद आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने सन्नी को जबरन कार में बैठा लिया, जबकि अन्य बदमाशों ने स्पा के मैनेजर को अंदर ही बंधक बना लिया। सन्नी के मुताबिक, बदमाश उसे शहर के अलग-अलग इलाकों में घुमाते रहे और फिर शैलेंद्र नगर के एक एटीएम से उसके खाते से जबरन 50 हजार रुपए निकलवाए। इसके बाद वे कचना इलाके के एक पेट्रोल पंप पर ले गए और वहां भी उसके कार्ड से 50 हजार रुपए डेबिट कराए। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि एटीएम से एक दिन में 20 हजार की सीमा के बावजूद बदमाशों ने कैसे 50 हजार रुपए निकाल लिए। फिलहाल, पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम बदमाशों की पहचान में जुटी है और मामले की जांच तेज कर दी गई है।

साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश, जल्द पुलिस करेगी खुलासा

रायपुर। छत्तीसगढ़ पुलिस ने एक बड़े साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिसने देशभर में 50 करोड़ रुपए से अधिक की ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम दिया है। कार्रवाई की शुरुआत 64 हजार रुपए के एक छोटे साइबर फ्रॉड की जांच से हुई थी, लेकिन जांच के दौरान पुलिस को इस बड़े नेटवर्क का सुराग मिला। यह बड़ी कार्रवाई खैरागढ़ पुलिस ने की है। बताया जा रहा है कि मामले में रेंज के आईजी जल्द ही प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पूरे गिरोह और उनके नेटवर्क का खुलासा करेंगे। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह गिरोह मुंबई के डोंबीवली इलाके में एक फ्लैट से काम कर रहा था। आरोपी पेशेवर तरीके से सैलरी बेस्ड कर्मचारियों की तरह फ्रॉड को अंजाम देते थे। वे 100 से अधिक ऑनलाइन गेमिंग एप्स, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए लोगों को झांसा देकर निवेश या इनाम के नाम पर ठगी करते थे। पुलिस ने जांच में 50 से ज्यादा बैंक खातों में संदिग्ध लेनदेन का पता लगाया है। साइबर सेल और पुलिस की संयुक्त टीम अब इस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश में जुट गई है। अधिकारियों का मानना है कि आने वाले दिनों में यह कार्रवाई देशभर में फैले एक बड़े साइबर गिरोह का भंडाफोड़ करेगी।

एमएससी की छात्रा ने फांसी लगाकर दी जान, सुसाइड नोट बरामद

रायपुर। राजधानी के सुंदरनगर क्षेत्र में एमएससी की छात्रा ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। 25 वर्षीय छात्रा प्रज्ञा शर्मा साइंस कॉलेज में पढ़ाई कर रही थी और सुंदरनगर के रामजी कुंज में किराए के मकान में अकेले रहती थी। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें उसने अपनी मौत के लिए किसी को जिम्मेदार नहीं ठहराया है। जानकारी के अनुसार, 17 अक्टूबर को प्रज्ञा की सहेली उससे मिलने उसके कमरे पर पहुंची। दरवाजा अंदर से बंद नहीं था, लेकिन जब उसने अंदर प्रवेश किया तो देखा कि प्रज्ञा सीलिंग फैन की रॉड से लटकी हुई थी। सहेली ने तत्काल पड़ोसियों और पुलिस को सूचना दी। डीडी नगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि छात्रा ने सुसाइड नोट में लिखा है मेरी मौत के लिए कोई जिम्मेदार नहीं है। उसने यह भी उल्लेख किया कि उसे पिता का प्यार नहीं मिला।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने विकासखंड स्तरीय बस्तर ओलंपिक का किया शुभारंभ

होनहार युवाओं को खेल प्रतिभा निखारने का मिल रहा अवसर

■ गोविंदपुर खेल मैदान में शेड निर्माण के लिए 25 लाख की घोषणा की

रायपुर/ संवाददाता

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री अरुण साव ने आज बस्तर ओलंपिक-2025 के विकासखण्ड स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया। उन्होंने कांकेर के गोविंदपुर खेल मैदान में खेल ध्वज फहराया और वहां मौजूद खिलाड़ियों के बीच जाकर उनका उत्साहवर्धन किया। श्री साव ने तीरंदाजी, व्हालीबॉल और रिले रेस में सांकेतिक तौर पर हिस्सा लेकर प्रतिभागी खिलाड़ियों को अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने गोविंदपुर के खेल मैदान में शेड निर्माण के लिए 25 लाख रुपए देने की घोषणा की। विधायक श्री आशाराम नेताम, छत्तीसगढ़ मछुआ कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष श्री भरत मटियारा और हस्तशिल्प बोर्ड की अध्यक्ष श्रीमती शालिनी राजपूत भी शुभारंभ कार्यक्रम में शामिल हुए। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि बस्तर के प्रतिभाशाली युवक-युवतियों को समुचित प्लेटफॉर्म मुहैया कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने पिछले वर्ष से बस्तर ओलंपिक का आगाज किया है, जिसकी ख्याति राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल चुकी है। इसकी सफलता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि गत वर्ष एक लाख 65 हजार युवक-युवतियों ने अपना पंजीयन कराया था, जबकि इस वर्ष रिकॉर्ड तीन लाख 91 हजार खिलाड़ियों ने पंजीयन कराया है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर संभाग के खिलाड़ियों की अपनी विशिष्ट पहचान है, क्योंकि वे अनुशासित होकर टीम भावना से अपनी खेल प्रतिभाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि जिले में खेल सुविधाओं और विकास के लिए पूर्व में ही लगभग आठ करोड़ रुपए के विभिन्न कार्यों की स्वीकृति राज्य सरकार द्वारा दी जा चुकी है। विधायक श्री आशाराम नेताम ने अपने संबोधन में कहा कि कांकेर में पखांजूर से लेकर नरहरपुर तक विभिन्न खेल प्रतिस्पर्धाओं का सकारात्मक वातावरण निर्मित हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने बस्तर संभाग के हुनरमंद खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए पिछले साल से बस्तर ओलंपिक शुरू किया है जो आज वृहद रूप ले चुका है। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ बेहतर प्रदर्शन करने के लिए शुभकामनाएं दीं। कांकेर नगर पालिका के अध्यक्ष श्री अरुण कौशिक, उपाध्यक्ष श्री उत्तम यादव, जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती तारा ठाकुर, कलेक्टर श्री निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर, खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक श्रीमती तनुजा सलाम और जिला पंचायत के सीईओ श्री हरेश मंडावी सहित पार्षदगण, जनप्रतिनिधि एवं खिलाड़ी बड़ी संख्या में कार्यक्रम में मौजूद थे।

रोशनी की किरण बनकर आई प्रधानमंत्री आवास योजना.......

■ नियद नेल्ला नार ग्राम संतोषपुर के श्री लखमू ने केंद्र सरकार के प्रति जताया आभार

रायपुर/ संवाददाता

सुदूर नक्सल प्रभावित ग्राम नियद नेल्लानार (संतोषपुर) में प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने विकास की नई उम्मीद जगाई है। यह योजना वहां के लोगों के जीवन में रोशनी की किरण बनकर आई है। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने श्री लखमू जैसे अनेक परिवारों को न केवल पक्का घर दिया है, बल्कि आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की नई राह भी दिखाई है। यह योजना अब ग्रामीणों के जीवन में स्थायी बदलाव लाने का माध्यम बन चुकी है। उल्लेखनीय है कि पहले बीजापुर जिले के दूरस्थ नक्सल प्रभावित इस क्षेत्र में शासकीय योजनाओं का क्रियान्वयन संभव नहीं हो पाता था, लेकिन अब स्थिति बदल रही है। वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ग्राम नियद नेल्ला नार में स्वीकृत आवासों में से 18 आवासों का निर्माण पूरा हो चुका है। गांव में तेजी से निर्माण कार्य जारी है और लोगों के चेहरों पर विश्वास और सुरक्षा की नई चमक दिखाई दे रही है। संतोषपुर निवासी श्री लखमू पनिका इस योजना के प्रमुख लाभार्थियों में से एक हैं। वे बताते हैं कि उनकी पत्नी का निधन हो चुका है और वे अपने बेटे-बहू तथा पोते के साथ रहते हैं। दो एकड़ जमीन में खेती करके वे किसी तरह जीवनयापन कर रहे थे। गरीबी और माओवाद के डर के कारण पक्का घर बनाना उनके लिए असंभव था। श्री लखमू बताते हैं कि जब मुझे प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर की स्वीकृति मिली, तब मेरी खुशी का ठिकाना नहीं रहा। आज मेरे पास अपना पक्का घर है, जिसमें मैं सुरक्षित और सम्मानपूर्वक जीवन बिता रहा हूँ। यह सब शासन-प्रशासन की मदद से संभव हुआ है। हमारे गांव के लिए यह योजना सचमुच रोशनी की किरण बनकर आई है।

खमतराई रेलवे फाटक में ट्रेन की चपेट में आकर युवक की मौत

रायपुर। खमतराई थाना क्षेत्र स्थित रेलवे फाटक के पास ट्रेन की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। युवक की लाश अर्धनग्न हालत में मिली है तथा पहचान नही हो पाई पुलिस ने मृतक की पहचान करने की कोशिश शुरू कर दी। मिली जानकारी के अनुसार घटना रविवार देर रात की है। खमतराई इलाके के रेलवे फाटक के पास एक युवक ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना भयानक था कि युवक का शव कई हिस्सों से कट गया। उसका सिर भी बुरी तरह चपेट में आ गया। मृतक के हाथ पर संतोष नाम का टैटू बना हुआ है, जिसके आधार पर उसकी पहचान की जा रही है।

चांदामेटा में ग्रामवासियों को दिया टेंट सामग्री

हर गाँव में अब दिखेगी विकास की नई पहचान:किरण देव सिंह

रायपुर/ संवाददाता

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक किरण देव ने जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के अंतिम छोर पर स्थित ग्राम चांदामेटा, मुण्डागढ़ एवं कोलेंग में आयोजित कार्यक्रम में 02 करोड़ 36 लाख की लागत से कई विकास कार्यों की सौगात दी। आज सोमवार को आयोजित कार्यक्रम ग्रामीण अधोसंरचना को सुदृढ़ करने और जनसुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जगदलपुर विधानसभा क्षेत्र के चांदामेटा मुण्डागढ़ एवं कोलेंग पहुंचे विधायक का जगह जगह जोरदार क्षेत्र की जनता ने पारंपरिक रूप से स्वागत एवं अभिनंदन किया। वहीं धुरवा नाचा दल के द्वारा अपने विधायक का स्वागत करते कार्यक्रम स्थल पहुंचे। आज आयोजित लोकार्पण कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सीएम मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली 'सुशासन की सरकार' में मातृशक्ति को विशेष सम्मान मिला है, और अब हर गाँव में विकास की नई पहचान बनेगी। ग्रामवासियों के मांग के अनुरूप चांदामेटा में 02 किलोमीटर सड़क निर्माण की घोषणा किया। जल्द ही सड़क निर्माण कार्य शुरू किया जायेगा ?इन महत्वपूर्ण विकास कार्यों के तहत, ग्राम पंचायत इंदामेटा में सामुदायिक भवन का लोकार्पण लागत 10 लाख, प्राथमिक शाला भवन 20 लाख, आंगनबाड़ी भवन 11.69 लाख रुपए व अन्य कार्यो का लोकार्पण किया गया। वहीं मुण्डागढ़ पंचायत में प्राथमिक शाला भवन निर्माण का लागत 15 लाख का लोकार्पण किया गया। वहीं कोलेंग पंचायत में आडिटोरियम हाल लागत 19.65 लाख , बाजार शेड 20 लाख , आंगनबाड़ी भवन 11.70 लाख, महतारी सदन 25 लाख, सामुदायिक भवन निर्माण 12 लाख।

कलेक्टरों की नियुक्ति के लिए सरकार बना रही नये नियम....

■ किसी भी जिले में अब कलेक्टर रिपीट नहीं किये जाएंगे

■ 2019 बैज के आईएएस अधिकारियों को मिलेगा अवसर

रायपुर/ संवाददाता

छग का सामान्य प्रशासन विभाग अब कलेक्टरों की नियुक्ति के लिए नया नियम बनाने जा रहा है। जिसके अनुसार अब नव नवेले आईएएस अधिकारी को जब नौ साल कार्य करने का अनुभव हो जाएगा तब उसे कलेक्टर का पद दिया जाएगा। मिली जानकारी के अनुसार केंद्र शासन द्वारा डीएम फंड की जवाबदेही कलेक्टर को दिये जाने के बाद पुरानी सरकार ने मनमानी करते हुए प्रमोटी आईएएस को कलेक्टरी प्रदान कर दीथी। जिसके चलते भ्रष्टाचार चरम सीमा पर पहुंच गया था। सरकार अब इस मामले पर गंभीरतापूर्वक विचार कर रही है। नये नवेले आईएएस अधिकारियों को कलेक्टर बनाने के लिए टाइम थोड़ा बढ़ाया जाएगा। वर्तमान में 2019 बैज के लिए आईएएस कलेक्टर बनना शुरू हो गया है। बाकि राज्यों में यह क्रियेट नौ साल का है। इससे राज्य की कार्यक्षमता प्रभावित हो रही है। तथा कलेक्टरों का परफामेंस गड़बड़ा रहा है। सरकार दूसरे विकल्प के रूप में इसी आईएएस को एक जिले का कलेक्टर बनाकर ब्रेक देना चाहती है ताकि दूसरे जिले में उसे काम करने का वक्त दिया जाए। राज्य शासन आईएएस अधिकारियों की कार्यक्षमता नया कार्य कर सकते हैं। छग राज्य में मुख्य सचिव का कार्यकाल का रिकॉर्ड बनाने वाले अमिताभ जैन की पोस्टिंग रिथायरमेंट में बाद नई पोस्टिंग नहीं होना संस्पेस बना हुआ है। इसके पहले आरपी मंडल को 20 मिनट के अंदर एनआरडीए का चेयरमैन बना दिया गया था जबकि अमिताभ जैन कोरिया और जापान गये हुए थे लेकिन अभी तक उनका कोई आदेश नहीं हुआ है विद्युत नियामक आयोग का अध्यक्ष का पद खाली है लेकिन अभी तक अभी तक इसकी नियुक्ति नहीं हुई है। सूचना आयुक्त का पद भी खाली पड़ा हुआ है। लेकिन अभी तक इस पर भी कोई नियुक्ति नहीं हुई है।

ईडी की विशेष कोर्ट में चैतन्य बघेल की जमानत याचिका खारिज

रायपुर। ईडी विशेष कोर्ट ने चैतन्य बघेल की जमानत याचिका खारिज कर दी है। चैतन्य की जमानत याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई के बाद आज सोमवार के लिए फैसला सुरक्षित रखा गया था। और सुनवाई के बाद कोर्ट ने जमानत याचिका खारीज कर दी। चैतन्य को अभी जेल में ही रहना होगा। बता दें कि पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग और शराब घोटाला मामले में 18 जुलाई को भिलाई निवास स्थान से गिरफ्तार किया था। प्रवर्तन निदेशालय के मुताबिक चैतन्य बघेल ने 16 करोड़ 70 लाख रुपए की अवैध कमाई को अपने रियल एस्टेट प्रोजेक्ट मे इन्वेस्ट किया। आरोप है कि यह पैसा नगद में ठेकेदारों को भुगतान फर्जी बैंक एंट्री और फ्लैट खरीदी के बहाने से उपयोग किया। वह त्रिलोक सिंह ढिल्लो के साथ मिलकर विट्ठलपुरम नामक परियोजना में फर्जी फ्लैट खरीद की योजना बनाकर 5 करोड़ हासिल करने के आरोप में भी घिरे हैं। इन फ्लैटों को त्रिलोक सिंह ढिल्लो के कर्मचारियों के नाम पर खरीदा गया था, लेकिन असली लाभार्थी चैतन्य ही थे। जांच में यह भी पाया गया कि चैतन्य ने इस घोटाले से जुड़े 1000 करोड़ से अधिक की अवैध धनराशि को हैंडल किया और इसे अनवर ढेबर और अन्य के माध्यम से छत्तीसगढ़ कांग्रेस के तत्कालीन कोषाध्यक्ष तक पहुंचाया गया।

हर घर नल, हर घर जल योजना से लावाहोरी की लीलावती जीवन आसान

■ जल जीवन मिशन: हर घर नल, हर घर जल योजना से लावाहोरी की लीलावती जीवन हुई आसान

रायपुर/ संवाददाता

जल जीवन मिशन से मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी और भरतपुर जिले के विकासखंड भरतपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत घाघरा के ग्राम लावाहोरी निवासी श्रीमती लीलावती को अब शुद्ध पेयजल मिलने लगा है। मिशन के तहत् हर घर नल हर घर जल योजना से घर पर ही शुद्ध जल मिलने से उनका जीवन आसान हो गया है। गौरतलब है कि लावाहोरी में वर्षों से पानी की समस्या ने लोगों के जीवन को कठिन बना दिया था। यहाँ की महिला लीलावती बताती हैं कि पहले स्वच्छ पेयजल की तलाश में उन्हें प्रतिदिन कई किलोमीटर पैदल चलकर कुएँ या हैंडपंप से पानी लाना पड़ता था। बरसात के मौसम में कुएँ का पानी गंदा हो जाता था और गर्मियों में पानी सूख जाता था। ऐसे में घर के सारे काम, बच्चों की देखभाल और पीने के पानी का इंतजाम - सब कुछ एक संघर्ष बन गया था। श्रीमती लीलावती बताती हैं कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अंतर्गत जल जीवन मिशन की सौगात इस गाँव तक पहुँची, तो लावाहोरी की तकदीर बदल गई। अब हर घर में नल से स्वच्छ जल उपलब्ध है और लोगों के चेहरे पर राहत और खुशी झलकने लगी है। लीलावती बताती हैं कि अब हमें सुबह जल्दी उठकर पानी भरने के लिए दौड़ना नहीं पड़ता। नल खोलते ही साफ ठंडा और सुरक्षित पानी घर में आता है। इससे न केवल समय की बचत हुई है, बल्कि बच्चों और बुजुर्गों का स्वास्थ्य भी पहले से बेहतर है। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं के जीवन में बड़ा परिवर्तन लाया है। अब जो समय पहले पानी लाने में व्यर्थ जाता था, वही समय अब बच्चे की पढ़ाई और घर के अन्य कार्यों में लगाया जा रहा है। स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता से जलजनित बीमारियाँ भी काफी हद तक कम हो गई हैं। यह योजना गाँव के हर घर तक पहुँचकर न केवल जल सुरक्षा का संकल्प पूरा कर रही है, बल्कि लोगों के जीवन में खुशहाली का संचार भी कर रही है। जल जीवन मिशन ने वास्तव में यह सिद्ध कर दिखाया है कि पानी सिर्फ आवश्यकता नहीं बल्कि जीवन का आधार है। लीलावती ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार जताते हुए कहा कि जल जीवन मिशन हमारे जीवन की सबसे बड़ी सौगात है। अब हमें अपनी बेटियों के भविष्य की चिंता नहीं रहती, क्योंकि उन्हें पानी लाने के लिए पढ़ाई छोड़नी नहीं पड़ती।

बच्चों के संग विद्यार्थी बने उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा

डिजिटल बोर्ड से शिक्षिका ने उपमुख्यमंत्री शर्मा को पढ़ाई हृदय की संरचना एवं बैटरी की कार्यप्रणाली..

■ डिजिटल बोर्ड एवं इंटरएक्टिव लर्निंग से बच्चों को विज्ञान एवं गणित जैसे विषयों को समझने में होगी आसानी- उपमुख्यमंत्री

रायपुर/ संवाददाता

प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के ग्राम बिरकोना स्थित उच्चतर माध्यमिक शाला से कवर्धा विकासखंड के अंतर्गत संचालित 17 शासकीय स्कूलों में स्मार्ट क्लास रूम सुविधा का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने स्मार्ट कक्षाओं का स्कूली बच्चों के साथ रिबन काटकर शुभारम्भ किया। इस कार्यक्रम में कवर्धा विकासखण्ड के सभी स्कूल जहां स्मार्ट कक्षाओं की शुरुआत हो रही है वहां के बच्चे वर्चुअल माध्यम से सीधे जुड़े। इस अवसर पर सभी शिक्षा के डिजिटलीकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के साक्षी बने। इस दौरान उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा स्मार्ट क्लास में जाकर बच्चों के साथ बैठकर खुद भी विद्यार्थी बन गए। उन्होंने बच्चों के साथ बैठकर आदर्श विद्यार्थी की तरह डिजिटल बोर्ड के माध्यम से हृदय की संरचना, पौधों में पादप हार्मोन एवं इलेक्ट्रो केमिस्ट्री में बैटरी की कार्यप्रणाली के बारे में डिजिटल बोर्ड द्वारा जानकारी प्राप्त की। उन्होंने शिक्षकों के साथ डिजिटल कक्षा के संचालन, उपयोग एवं कार्यप्रणाली के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने स्वयं भी स्मार्ट बोर्ड संचालित कर इसकी उपयोगिता को परखा। उन्होंने इस पहल को जिले में डिजिटल शिक्षा व्यवस्था के सुव्यवस्थित विस्तार की दिशा में अभूतपूर्व कदम बताया। उन्होंने बच्चों से सीधा संवाद भी किया। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि यह परियोजना केवल उपकरण या तकनीक की उपलब्धता नहीं, बल्कि पूरी शिक्षा संस्कृति में परिवर्तन की पहल है। जहाँ मल्टी-डायमेंशनल कंटेंट, थ्री-डी विसुअलाइजेशन और इंटरैक्टिव लर्निंग के माध्यम से विज्ञान एवं गणित जैसे कठिन से कठिन विषय भी विद्यार्थियों के लिए आकर्षक और सरल बन सकेंगे।

संपादकीय

देसी 'कार्बाइड गन' ने दिवाली पर कई परिवारों में अंधेरा कर दिया

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल और उससे सटे जिले विदिशा में देसी पटाखा 'कार्बाइड गन' के कारण कई बच्चों की आंखों की रोशनी चली गई और इस तरह दीप उत्सव पर खुशी मनाने का मौका कई परिवारों के लिए दुखद बन कर आया। इस घटना में जख्मी होने के डेढ़ सौ से अधिक मामले सामने आए। सौ से अधिक लोग अब भी अस्पतालों में भर्ती हैं। विदिशा में पचास लोगों का इलाज चल रहा है।

यह निराशाजनक ही है कि पारंपरिक पटाखों को लेकर कोई सचेत नहीं है, न प्रशासन और न नागरिक। सवाल है कि पीवीसी पाइपों में विस्फोटक पदार्थ भर कर 'कार्बाइड गन' बनाने की किसे सूझी और ऐसा करने को लेकर किस स्तर पर लापरवाही बरती गई।

गौरतलब है कि गैस लाइटर, प्लास्टिक पाइप और कैल्शियम कार्बाइड से बनाई गई यह देसी 'गन' दिवाली पर खूब बिकी। इस पटाखे को खिलौने की तरह सोशल मीडिया पर प्रचारित किया गया था। नतीजतन, बिना किसी रोकटोक के बड़ी संख्या में इसकी बिक्री हुई। जबकि सुरक्षा की दृष्टि से ये बेहद खतरनाक थे। भोपाल में हुई घटना के बाद चिकित्सकों ने कहा कि कार्बाइड गन में बनने वाली एसिटिलीन गैस आंख की कार्निया को नब्बे फीसद तक जला देती है। लिहाजा, पारंपरिक पटाखों पर सख्त पाबंदी लगाने की जरूरत है। इनसे प्रायः झुलसने का खतरा होता है। कार्बाइड गन इसका उदाहरण है। इसमें पीवीसी पाइप फटने से प्लास्टिक के छोटे-छोटे टुकड़े छर्रे की तरह शरीर को जख्मी कर देते हैं। पिछले दिनों इसी कारण लोगों के चेहरे झुलस गए। दुखद है कि जिन बच्चों की आंखों की रोशनी बुझ गई, उनके अभिभावकों ने इसके उपयोग को लेकर एहतियात बरतना जरूरी नहीं समझा। पटाखों को लेकर शीर्ष न्यायालय ने बार-बार सख्ती दिखाई है।

फिर भी इसे न तो शासन और न ही आम लोगों की ओर से गंभीरता से लिया जा रहा है। पटाखे न केवल पर्यावरण, बल्कि नागरिकों की सुरक्षा और शांति पर भी प्रभाव डालते हैं। जरूरत इस बात की है कि पूरे देश में पटाखों को लेकर एक ठोस नीति हो और किसी भी दशा में इसके उपयोग को नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाए जाएं।

यह चुनाव बिहार के लिए बहुत महत्वपूर्ण एवं दिलचस्प है और इसमें वादों का दौर भी जारी है। नीतीश सरकार ने कई घोषणाएं की हैं, तो वहीं तेजस्वी यादव ने भी जनता से कई वादे किए हैं। महागठबंधन का घोषणापत्र आने वाला है, जिसमें कई बड़े वादे होने की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किस वादे पर भरोसा करती है और बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन बनता है। ताजा परिदृश्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के विकास की राजनीति ही बढ़त बनाये हुए है। भाजपा ने बिहार में धीरे-धीरे अपना जनाधार बढ़ाया है, अब भी वह स्वतंत्र चुनाव न लड़कर क्षेत्रीय दलों के सहारे आगे बढ़ रही है। भले ही नीतीश कुमार, जिन्होंने वर्षों तक 'सुशासन बाबू' की छवि से राजनीति की, अब थके हुए और अविश्वसनीय से प्रतीत होने लगे हैं। बार-बार गठबंधन बदलने, राजनीतिक अवसरवाद और प्रशासनिक निष्क्रियता ने उनकी साख को गहरी चोट पहुंचाई है। जनता अब बदलाव चाहती है।

बिहार में तेजस्वी के नाम पर मुहर मजबूरी भरी स्वीकृति

(ललित गर्ग)

क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है।

बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान की तिथियां जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, चुनाव के सतरंगी रंग देखने को मिल रहे हैं। बिहार की राजनीति में आखिरकार उस घोषणा का रंग भी देखने को मिल ही गया, जिसका सबको इंतज़ार था। आखिरकार तेजस्वी यादव को महागठबंधन की ओर से मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय 'देर आए, दुरुस्त आए' की कहावत को चरितार्थ करता है। लंबे समय से इस पर राजनीतिक अटकलें लगाई जा रही थीं कि कांग्रेस क्या तेजस्वी के नेतृत्व को खुले तौर पर स्वीकार करेगी या नहीं? अंततः उसने तेजस्वी पर भरोसा जताया, पर यह भरोसा एक प्रकार की मजबूरी भरी स्वीकृति भी लगती है, न कि उत्साहपूर्ण गठबंधन की रचनात्मक एकजुटता। यह घोषणा कांग्रेस नेता अशोक गहलोत की ओर से की गई। इसी के साथ विकासशील इंसान पार्टी यानी वीआइपी के प्रमुख मुकेश सहनी को डिप्टी सीएम का चेहरा घोषित किया गया। अशोक गहलोत की इस घोषणा से पता चलता है कि बिहार में कांग्रेस की स्थिति मजबूत नहीं है, उसने मुख्यमंत्री का चेहरा अनिच्छा से ही उजागर नहीं किया था, इस अनिच्छा से यही झलका कि कांग्रेस अभी भी गठबंधन राजनीति के धर्म का मर्म समझने में उलझी है, यह राहुल गांधी की नाकाम राजनीति का भी द्योतक है, ऐसे मामलों में वे अपरिपक्वता का ही परिचय देते रहे हैं।

क्या कांग्रेस ऐसा कुछ मानकर चल रही थी कि महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है? उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि वह बिहार में अपनी राजनीतिक महत्ता बनाए रखने के लिए राजद पर ही निर्भर है। उसकी ऐसी ही निर्भरता अन्य राज्यों में भी वहां के क्षेत्रीय दलों पर है। जब तक वह अपने बलबूते चुनाव लड़ने की सामर्थ्य नहीं जुटा लेती, तब तक उसे उन्हें दबाव में लेने की चेष्टा नहीं करनी चाहिए। उसके पास न प्रभावशाली चेहरा है, न जनाधार। हाल के चुनावों में उसका प्रदर्शन लगातार निराशाजनक रहा है। ऐसे में कांग्रेस के पास कोई विकल्प नहीं था कि वह नेतृत्व की भूमिका की बजाय सहयोगी भूमिका निभाए। तेजस्वी यादव के रूप में राजद आज बिहार में विपक्ष की सबसे बड़ी ताकत है। यह भी एक वास्तविकता है कि जिस तरह से नीतीश कुमार का जनाधार खिसक रहा है, तेजस्वी उस रिक्त स्थान को भरने की क्षमता रखते हैं। तेजस्वी यादव ने पिछले कुछ वर्षों में अपने नेतृत्व को निखारा है। उन्होंने 'नौकरी, विकास और सम्मान' जैसे मुद्दों को अपने राजनीतिक विमर्श का केंद्र बनाया है। उनकी भाषा में युवाओं की बेचैनी, बेरोज़गारी का दर्द और अवसरों की तलाश झलकती है। बिहार के युवा अब जातीय राजनीति से ऊपर उठकर रोज़गार और जीवन की गुणवत्ता के सवाल पूछने लगे हैं, और तेजस्वी इन्हीं सवालों को अपनी ताकत बना रहे हैं। हाल के वर्षों में उनके तेवर में जो परिपक्वता आई है, वह बताती है कि वे अब सिर्फ 'लालू के पुत्र' नहीं, बल्कि स्वयं का राजनीतिक ब्रांड बन चुके हैं। उनका 'जनादेश' अब सिर्फ परंपरा या पारिवारिक विरासत पर आधारित नहीं है, बल्कि नये बिहार की आकांक्षाओं से जुड़ने की कोशिश है। एनडीए ने पहले ही अपने पत्ते खोल दिए थे और सीट बंटवारे की घोषणा कर दी थी। लेकिन, उन्होंने किसी एक चेहरे को मुख्यमंत्री उम्मीदवार के तौर पर पेश नहीं किया है। यह अपने आप में एक बड़ा बदलाव है, क्योंकि पिछले दो दशकों से नीतीश कुमार ही एनडीए का चेहरा रहे हैं। महागठबंधन ने तेजस्वी को सीएम उम्मीदवार बनाकर एनडीए पर दबाव बनाने की कोशिश की है।

यह चुनाव बिहार के लिए बहुत महत्वपूर्ण एवं दिलचस्प है और इसमें वादों का दौर भी जारी है। नीतीश सरकार ने कई घोषणाएं की हैं, तो वहीं तेजस्वी यादव ने भी जनता से कई वादे किए हैं। महागठबंधन का घोषणापत्र आने वाला है, जिसमें कई बड़े वादे होने की उम्मीद है। यह देखना दिलचस्प होगा कि जनता किस वादे पर भरोसा करती है और बिहार का अगला मुख्यमंत्री कौन बनता है। ताजा परिदृश्यों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं भाजपा के विकास की राजनीति ही बढ़त बनाये हुए है। भाजपा ने बिहार में धीरे-धीरे अपना जनाधार बढ़ाया है, अब भी वह स्वतंत्र चुनाव न लड़कर क्षेत्रीय दलों के सहारे आगे बढ़ रही है। भले ही नीतीश कुमार, जिन्होंने वर्षों तक 'सुशासन बाबू' की छवि से राजनीति की, अब थके हुए और अविश्वसनीय से प्रतीत होने लगे हैं। बार-बार गठबंधन बदलने, राजनीतिक अवसरवाद और प्रशासनिक निष्क्रियता ने उनकी साख को गहरी चोट पहुंचाई है। जनता अब बदलाव चाहती है। यह बदलाव किस रूप में सामने आयेगा, यह भविष्य के गर्भ में हैं। यदि यह बदलाव तेजस्वी के नेतृत्व में संभव होता है तो यह केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि राजनीतिक पीढ़ी परिवर्तन भी होगा। हालांकि तेजस्वी के चेहरे पर सहमति एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन यह गठबंधन की एकजुटता की गारंटी नहीं। कांग्रेस और वाम दलों के बीच सीट बँटवारे को लेकर असहमति फिर उभर सकती है।

बिहार का मतदाता जातीय समीकरणों से प्रभावित रहता है, और भाजपा-जेडीयू गठबंधन इस बिंदु पर अब भी मजबूत स्थिति में है। इसके अलावा, तेजस्वी को छवि सुधार और जनसंपर्क के नए मॉडल पर भी काम करना होगा- भ्रष्टाचार, परिवारवाद और अस्थिरता के पुराने आरोपों से वे अब भी पूरी तरह मुक्त नहीं हुए हैं। अगर वे इस बार भी भावनाओं की राजनीति पर अटके रहे, तो जनता का भरोसा खिसक सकता है। तेजस्वी यादव का मुख्यमंत्री पद का चेहरा बनना बिहार की राजनीति में एक जनसांस्कृतिक परिवर्तन का संकेत भी है। यह निर्णय दिखाता है कि अब राजनीतिक विमर्श का केंद्र युवा आकांक्षाओं, आर्थिक अवसरों और विकास की बराबरी की ओर बढ़ रहा है। कांग्रेस का झुकना केवल राजनीतिक गणित नहीं, बल्कि यह स्वीकारोक्ति है कि अब बिहार में नई पीढ़ी के नेतृत्व से ही राजनीतिक भविष्य तय होगा। तेजस्वी यादव का उदय केवल एक व्यक्ति की उपलब्धि नहीं है, बल्कि बदलते समय की पुकार है। बिहार की जनता लंबे समय से ठहरे हुए शासन और खोखले वादों से थक चुकी है। अब वह ऐसे नेतृत्व की तलाश में है जो न केवल सत्ता चाहता हो, बल्कि संवेदना और संघर्ष का प्रतीक भी बने। कांग्रेस ने भले ही देर से यह निर्णय लिया हो, पर यदि महागठबंधन इस घोषणा को एकजुट रणनीति में बदल सके, तो यह बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय खोल सकता है, जहाँ देर आए, पर दुरुस्त आए केवल कहावत नहीं, बल्कि राजनीतिक सच्चाई बन जाए।

तेजस्वी यादव को सीएम पद का प्रत्याशी घोषित करने के साथ-साथ वीआइपी प्रमुख मुकेश सहनी को जिस तरह डिप्टी सीएम के रूप में आगे लाया गया, उससे उनकी राजनीतिक हैसियत का अनुमान लगता है, लेकिन उनकी पार्टी तो महज 15 सीटों पर चुनाव लड़ रही है और कांग्रेस उससे चार गुने से अधिक सीटों पर। हालांकि अशोक गहलोत ने यह स्पष्ट किया है कि और भी डिप्टी सीएम बनाए जाएंगे, पर इससे यह संदेश ओझल नहीं होता कि कांग्रेस की राजनीतिक ताकत वीआइपी से भी कम है। निःसंदेह अशोक गहलोत की घोषणा से महागठबंधन और विशेष रूप से उसका नेतृत्व कर रहे राजद को लाभ मिल सकता है, लेकिन यह कहना सही नहीं होगा कि अब इस गठबंधन में सब कुछ सही हो गया है।

महागठबंधन के 10 से अधिक प्रत्याशी एक-दूसरे के सामने हैं। महागठबंधन की राजनीति चुनाव होने एवं चुनाव परिणाम के बाद भी कई रंग बदलेगी, इसलिये उसकी डगर निष्कंटक तो नहीं कही जा सकती। महागठबंधन के जीतने की सूरत में तेजस्वी यादव के अतिरिक्त अन्य कोई मुख्यमंत्री का दावेदार हो सकता है, यह भी प्रश्न तेरता रहेगा। फिलहाल तेजस्वी के मुख्यमंत्री का फैसला महागठबंधन के लिए एक बड़ी जीत है क्योंकि इससे उनकी एकजुटता का संदेश पूरे बिहार में जाएगा। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

चीन, अमेरिका, जापान... अफ्रीका में इन तीन देशों के बीच ये कैसी भिड़ंत, शह-मात का खेल जारी

(प्रियेश मिश्र)

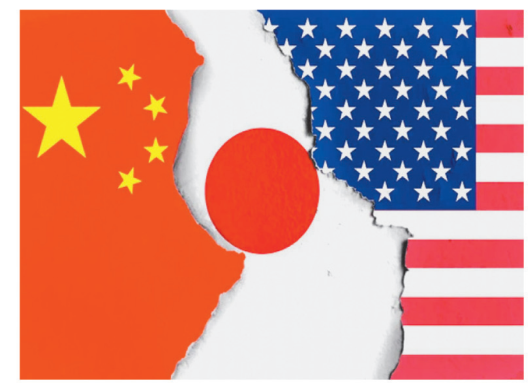

अमेरिका, चीन और जापान के बीच अफ्रीका के रेल नेटवर्क पर कब्जे की होड़ मची हुई है। हर देश दूसरे से ज्यादा नेटवर्क पर अपना प्रभाव जमाने की कोशिश कर रहा है। इससे संबंधित देशों को अफ्रीका में बड़ी भू-राजनीतिक जीत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। अफ्रीका पर कब्जे की होड़ मची हुई है। दुनिया की हर महाशक्ति इस अल्प विकसित महाद्वीप पर अपनी मौजूदगी बढ़ा रही है। इस भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा में शामिल देशों की सूची बहुत लंबी है। हर देश अलग क्षेत्र में अपनी मौजूदगी कायम करने का प्रयास कर रहा है। इसमें मुख वैश्विक शक्तियां हरित ऊर्जा परिवर्तन के लिए महत्वपूर्ण खनिजों को सुरक्षित करने की वैश्विक होड़ के बीच प्रमुख लॉजिस्टिक रुट पर भी कंट्रोल के लिए होड़ कर रही हैं। इस प्रतिद्वंद्विता की भेंट अफ्रीका का एक छोटा का देश जाम्बिया चढ़ रहा है। जाम्बिया का कपिरी मोशी शहर अमेरिका, चीन और जापान के बीच खींचतान का केंद्र बना हुआ है।

जाम्बिया में भिड़े अमेरिका-चीन-जापान

यह शहर एक रणनीतिक केंद्र हैं, जहां तीन प्रतिस्पर्धी गलियारे काम कर रहे हैं। इनमें चीन का तजारा, अमेरिका समर्थित लोबिटो कॉरिडोर और जापान का नाकाला कॉरिडोर शामिल हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन गलियारों का निर्माण सिर्फ खनिजों के ट्रांसपोटेशन के लिए ही नहीं किया गया है, बल्कि वैश्विक शक्तियां महत्वपूर्ण खनिज आपूर्ति श्रृंखलाओं पर लंबे समय तक अपना प्रभाव कायम करने और अपने प्रतिद्वंद्वियों पर निर्भरता कम करने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही हैं।

अमेरिका के लिए कपिरी मोशी शहर इतना महत्वपूर्ण क्यों

कपिरी मोशी तजारा रेलवे का प्रारंभिक बिंदु है। यह इसे तंजानिया में हिंद महासागर के बंदरगाह दार एस सलाम से जोड़ता है। यह मध्य अफ्रीका का कॉपरबेल्ट क्षेत्र के एक प्रमुख शहर एनडोला से भी 118 किमी दूर है। एनडोला लोबिटो कॉरिडोर से जुड़ा है, जिसे अमेरिका का समर्थन प्राप्त है। अमेरिका हर हाल में इस रेल मार्ग पर अपना प्रभाव कायम करने की कोशिश कर रहा है, ताकि वह खनिजों को आसानी से हिंद महासागर के बंदरगाह तक पहुंचा सके।

जापान ने नाकाला कॉरिडोर में झोंकी ताकत

वहीं, जापान का नाकाला कॉरिडोर नेटवर्क जम्बिया और मलावी जैसे चारों ओर से जमीन से घिरे देशों को मोजाम्बिक के नाकाला बंदरगाह से जोड़ता है। यह जाम्बिया के प्रमुख केंद्रों तक भी फैला हुआ है। इसमें राजधानी लुसाका भी शामिल है, जो कपिरी मोपेशी से लगभग 200 किमी दूर है। ज़ाम्बिया कपिरी मोपोशी में एक प्रमुख शुष्क बंदरगाह या ड्राई पोर्ट बनाने के लिए चीनी कंपनियों के साथ बातचीत कर रहा है, ताकि इस शहर को कॉपरबेल्ट लॉजिस्टिक्स केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके।

जाम्बिया पर डोरे डाल रहा चीन

मई में, जाम्बिया ने शिनजियांग उइगर स्वायत्त क्षेत्र से एक चीनी प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की, जिसने कपिरी मोपोशी ड्राई पोर्ट के विकास पर चर्चा की। बीजिंग स्थित चीन-अफ्रीका खनन वकील काई जू के अनुसार, यह शुष्क बंदरगाह कॉपरबेल्ट को 'तांबा शताब्दी' से जोड़ने वाले गलियारों का वास्तविक केंद्र बनने के लिए तैयार है। जू ने कहा कि चीन, जापान और पश्चिम के बीच समग्र समन्वय के अभाव के बावजूद, तीनों गलियारे - अंगोला, मोज़ाम्बिक और तंजानिया में बंदरगाहों के साथ - एक-दूसरे के पूरक होंगे, जिनका केंद्र कपिरी मोपोशी होगा।

कृष्णा अल्लावरु को हटा कर क्या राहुल गांधी ने फिर से बड़ी गलती कर दी?

देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस पार्टी को आज भी राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला हुआ है। लेकिन जिस उत्तर प्रदेश और बिहार के बल पर कांग्रेस ने कई दशकों तक देश पर राज किया है,उन दोनों ही राज्यों में पिछले कई दशकों से कांग्रेस मजबूत नहीं हो पा रही है। बिहार में लंबे समय तक चले राजनीतिक बवाल के बाद आखिरकार कांग्रेस ने औपचारिक रूप से आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित कर दिया है। लेकिन इस बात का औपचारिक ऐलान कांग्रेस की तरफ से राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने या राहुल गांधी ने नहीं किया। यहां तक कि राहुल गांधी के करीबी एवं बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरु या बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम से भी यह ऐलान नहीं करवाया गया। बल्कि तेजस्वी यादव को नेता मानने का ऐलान करने के लिए कांग्रेस पार्टी ने पुरानी पीढ़ी के बुजुर्ग नेता अशोक गहलोत को बिहार की राजधानी पटना भेजा। यहां तक तो कांग्रेस की रणनीति ठीक नजर आ रही है।

(संतोष कुमार पाठक)

गुरुवार को पटना में इंडिया गठबंधन की संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस हुई, जिसमें अशोक गहलोत ने खुलकर तेजस्वी यादव को इंडिया गठबंधन की तरफ से मुख्यमंत्री पद का दावेदार घोषित कर दिया। उसके बाद गहलोत और तेजस्वी, दोनों ने ही बीजेपी के स्टाइल में ही बीजेपी को घेरते हुए यह सवाल भी पूछ डाला कि अब एनडीए गठबंधन को यह बताना चाहिए कि उनका मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार कौन है ? लेकिन इस संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस के कुछ ही घंटे बाद कांग्रेस खेमे से आई एक बड़ी ख़बर ने सबको चौंका दिया। कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महासचिव के सी वेणुगोपाल के हस्ताक्षर से जारी एक आधिकारिक पत्र के जरिए यह बताया गया कि, कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से मनीष शर्मा को कांग्रेस के युवा विंग इंडियन यूथ कांग्रेस- आईबायसी का प्रभारी नियुक्त कर दिया है। अर्थात कांग्रेस ने बिहार में पार्टी संगठन को फिर से खड़ा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले कृष्णा अल्लावरु को यूथ कांग्रेस के प्रभारी पद से हटा कर मनीष शर्मा को इसकी जिम्मेदारी सौंप दी है।

हालांकि कृष्णा अल्लावरु को अभी भी बिहार कांग्रेस प्रभारी के पद से नहीं हटाया गया है लेकिन यूथ कांग्रेस के प्रभारी के पद से उनकी विदाई को लालू यादव और तेजस्वी यादव की नाराजगी का परिणाम माना जा रहा है। इससे पहले, गठबंधन में मामला बिगड़ जाने के बाद कांग्रेस पार्टी ने अशोक गहलोत को पटना भेजा। गहलोत,कृष्णा अल्लावरु के साथ ही बातचीत करने के लिए राबड़ी देवी के आवास पर गए। लेकिन बताया जा रहा है कि लालू यादव ने कृष्णा अल्लावरु को अपने कमरे में घुसने तक नहीं दिया। मुलाकात के बाद जो तस्वीरें निकल कर बाहर आई, उसमें भी लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव से अकेले अशोक गहलोत ही बात करते हुए नजर आ रहे हैं। संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में भी तेजस्वी यादव ने सबसे आखिर में कृष्णा अल्लावरु का नाम लेकर यह साबित कर दिया कि उनके मन में कितनी गहरी नाराजगी है। पटना में हुए राजनीतिक घटनाक्रम और अल्लावरु की विदाई ने एक बार फिर से राहुल गांधी को लेकर कई तरह के सवाल खड़े कर दिए है। गठबंधन को बचाने के लिए अशोक गहलोत जैसे बुजुर्ग नेता को भेजकर जाने-अनजाने कांग्रेस की बुजुर्ग ब्रिगेड ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया है कि संकट की घड़ी में राहुल गांधी की युवा टीम हमेशा फेल हो जाती है। इससे यह भी साबित होता हुआ नजर आता है कि राहुल गांधी आखिर तक अड़ कर अपने नेताओं को प्रोटेक्ट नहीं कर पाते हैं।

दरअसल, देश के सबसे पुराने राजनीतिक दल कांग्रेस पार्टी को आज भी राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा मिला हुआ है। लेकिन जिस उत्तर प्रदेश और बिहार के बल पर कांग्रेस ने कई दशकों तक देश पर राज किया है,उन दोनों ही राज्यों में पिछले कई दशकों से कांग्रेस मजबूत नहीं हो पा रही है। ऐसे में बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन को हराने के लिए सोनिया गांधी ने एक जमाने में यूपीए का गठन किया था और मनमोहन सिंह के नेतृत्व में 10 वर्षों तक सरकार भी चलाई थी। वर्ष 2014 में मनमोहन सरकार की विदाई और नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से ही कांग्रेस लगातार हार रही है। वर्ष 2024 में हुए लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस पार्टी ने विपक्षी दलों को साथ लेकर इंडिया गठबंधन बनाया।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 99 सीटों पर तो जीत दर्ज की है लेकिन साथ ही उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की पार्टी के शानदार प्रदर्शन के बल पर बीजेपी को 240 पर रोकने में भी कामयाब हो गए। हालांकि इसके बावजूद भी कांग्रेस पार्टी नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनने से नहीं रोक पाई। लोकसभा चुनाव 2024 के नतीजों ने एक बार फिर से यह साबित कर दिया कि केंद्र की सत्ता में आने के लिए कांग्रेस को कम से कम अकेले 130 लोकसभा सीटों पर जीत हासिल करनी ही होगी और इतनी सीटें उत्तर प्रदेश-बिहार के बिना ला पाना कांग्रेस के लिए संभव नहीं है। शायद इसी लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए जनवरी 2025 में राहुल गांधी बिहार गए थे और उसके बाद से ही वह लगातार बिहार जा रहे हैं। बिहार में कांग्रेस पार्टी को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए उन्होंने प्रदेश प्रभारी को हटा कर अपने करीबी नेता कृष्णा अल्लावरु को प्रदेश प्रभारी बनाया।

आरजेडी समर्थक माने जाने वाले अखिलेश प्रसाद सिंह को हटा कर राजेश राम को प्रदेश अध्यक्ष बनाया। राहुल गांधी के निर्देश के मुताबिक ही, कृष्णा अल्लावरु ने बिहार में कांग्रेस को आरजेडी की छाया से निकाल कर एक अलग पहचान दी। पत्रकारों द्वारा राजद की बी टीम होने के बारे में बार-बार पूछे गए सवालों के जवाब में सधे हुए अंदाज में यही कहते हुए नजर आए कि कांग्रेस बिहार में जनता की ए टीम बन कर काम करेगी। जाहिर सी बात है कि सिर्फ बिहार के बल पर अपनी राजनीति करने वाले आरजेडी को कांग्रेस की यह मजबूती भला क्यों पसंद आती? तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री का चेहरा घोषित करना गठबंधन के लिए जरूरी तो माना जा सकता है लेकिन मर्जी आलाकमान की और बात बिगड़ने पर कार्रवाई सिपाही के खिलाफ ! ऐसा करके कांग्रेस ने एक बार फिर से बिहार में न केवल पुरानी कहानी दोहरा दी है बल्कि इंडिया गठबंधन में शामिल अन्य क्षेत्रीय दलों के सामने भी अपनी कमजोरी जाहिर कर दी है। लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं राजनीतिक विश्लेषक हैं। **(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)**

खेल के माध्यम से विश्वास और विकास की नई गाथा–बस्तर ओलंपिक

43 हज़ार से अधिक प्रतिभागी अपना हुनर दिखाने तैयार

सुकमा। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशन और जिला सीईओ मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में 'बस्तर ओलंपिक 2025' की तैयारियां जिले में युद्धस्तर पर की जा रही हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर यह आयोजन 28 एवं 29 अक्टूबर को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा विभिन्न विभागों के अधिकारियों को पंचायतवार दायित्व सौंपे गए हैं, जिससे प्रत्येक ग्राम में खेल महोत्सव का उत्साहपूर्ण माहौल बने। सुकमा जिले में अब तक 43,099 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया है, जिसमें 19,414 पुरुष और 23,685 महिला खिलाड़ी शामिल हैं। जिसमे कोंटा विकासखंड - 11,185 प्रतिभागी, सुकमा विकासखंड दृ 13,906 प्रतिभागी और छिंदगढ़ विकासखंडदृ सर्वाधिक 18,008 प्रतिभागी शामिल होंगे। बस्तर ओलंपिक में व्यापक भागीदारी दर्शाती है कि बस्तर के युवा अब खेलों के माध्यम से आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर हैं। कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव ने कहा कि बस्तर ओलंपिक

केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि जनता और शासन के बीच विश्वास का सेतु है। इस आयोजन का उददेश्य है ग्रामीण प्रतिभाओं को पहचानना, युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ना तथा 'स्पोर्ट्स फॉर पीस' के माध्यम से शांति, विश्वास और सामाजिक एकता को बढ़ावा देना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में उल्लेख किया था कि बस्तर ओलंपिक केवल खेल नहीं, बल्कि विकास और विश्वास की यात्रा है, जहां नई पीढ़ी अपने भविष्य को आकार दे रही है। इस महोत्सव में पारंपरिक एवं आधुनिक दोनों प्रकार के खेल शामिल किए गए हैं एथलेटिक्स, तीरंदाजी, फुटबॉल, बैडमिंटन, कबडडी, खो-खो, वॉलीबॉल, कराते, वेटलिफ्टिंग, हॉकी आदि। साथ ही बस्तर की परंपरा से जुड़े स्थानीय खेलों को भी मंच दिया गया है, ताकि क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत नई पीढ़ी तक पहुंचे। जूनियर (14-17 वर्ष) और सीनियर वर्ग के अतिरिक्त, इस बार विशेष रूप से नक्सल हिंसा से दिव्यांग हुए व्यक्ति तथा आत्मसमर्पित नक्सली युवाओं को भी प्रतियोगिता में शामिल किया गया है। यह प्रशासन की समावेशी नीति और खेल के माध्यम से पुनर्वास की दिशा में ऐतिहासिक कदम है। प्रतियोगिताएं तीन स्तरों पर आयोजित होंगी विकासखंड स्तर, जिला स्तर और संभाग स्तर। विजेताओं को नकद पुरस्कार, मेडल, ट्रॉफी और शील्ड प्रदान की जाएगी। सभी नगद पुरस्कार प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (क्ठज) के माध्यम से खिलाड़ियों के बैंक खातों में जमा होंगे। संभागीय स्तर के विजेताओं को बस्तर यूथ आइकॉन के रूप में सम्मानित कर प्रचारित किया जाएगा। 'बस्तर ओलंपिक 2025' के शुभंकर वन भैंसा और पहाड़ी मैना हैं, जो बस्तर की जीवंतता, साहस और सामुदायिक एकता के प्रतीक हैं। बस्तर ओलंपिक बस्तर के हर गांव, हर युवा और हर परिवार का उत्सव है। यह आयोजन न केवल खेल प्रतिभाओं को पहचान देने का माध्यम है, बल्कि बस्तर में शांति, सौहार्द और विकास की नई रोशनी लेकर आया है। 'बस्तर ओलंपिक 2025' सरकार की 'स्पोर्ट्स फॉर पीस' नीति का सशक्त उदाहरण है। जहां खेल के मैदान पर जीत सिर्फ पदक की नहीं, बल्कि विश्वास, एकता और परिवर्तन की है। जिला प्रशासन के कुशल नेतृत्व में यह आयोजन बस्तर को राष्ट्रीय खेल मानचित्र पर नई पहचान दिलाने के लिए तैयार है।

भानुप्रतापपुर से कांकेर मार्ग को सुधारने की मांग: शिवसेना

भानुप्रतापपुर। शिवसेना भानुप्रतापपुर द्वारा भानुप्रतापपुर से कांकेर जाने वाली मार्ग की जर्जर स्थिति की सुधार करने के लिए कलेक्टर के नाम एसडीएम भानुप्रतापपुर को ज्ञापन सौंपा। शिवसेना के नेता महेश वासुदेव दुबे ने कहा भानुप्रतापपुर कांकेर पहुंच मार्ग अत्यंत जर्जर हो चुका है सड़क पर डामर उखड़ कर गहरे बड़े-बड़े गड्ढे हो चुके हैं जिससे उसमें चलने वाले आमजनता, गाड़ियां, मोटरसायकल, राहगीरों को बहुत ही तकलीफ का सामना करना पड़ रहा है। गाड़ी चलाने में भी बहुत दिक्कत होता है तथा गंभीर दुर्घटना के आशंका उत्पन्न हो रही है। श्री दुबे ने आगे कहा इस मार्ग पर भानुप्रतापपुर रानवाही, भानबेड़ा, कुर्री, कोरर, मरकाटोला आदि बड़े एवं छोटे ग्राम स्थित हैं। जिसके कारण इस मार्ग पर आवागमन का अत्यधिक दबाव है जिस पर प्रतिदिन हजारों गाड़ियां चलती है तथा भानुप्रतापपुर क्षेत्र

माइंस से घिरा होने के कारण भारी वाहनें भी अत्यधिक मात्रा में चलता है उक्त मार्ग इस क्षेत्र को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाला एक मुख्य मार्ग है। मार्ग के अत्यधिक जर्जर होने के कारण आवागमन करना बहुत कठिन हो गया है आमजनता इस मार्ग के क्षतिग्रस्त होने के बावजूद बहुत ही तकलीफ में इस मार्ग पर यात्राएं करती हैं। शिवसेना ने चेतावनी दी है कि अगर 15 दिनों के भीतर निर्माण कार्य शुरू नहीं हुआ तो शिवसेना उद्धव बालासाहेब ठाकरे पार्टी बैनर तले प्रदर्शन कर चक्काजाम आंदोलन करने बाध्य होगा। जिसका संपूर्ण जिम्मेदारी प्रशासन व संबंधित विभाग की होगी। ज्ञापन सौंपने में सुकचंद मंडावी तोरणध्वज भुआर्य संत पटेल अस्सीराम मंडावी तामेश गावड़े इत्यादि मौजूद थे।

कोंडागांव में उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ महापर्व का समापन, बंधा तालाब घाट पर दिखी अदभुत रौनक

कोंडागांव। लोक आस्था, श्रद्धा और सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा के मंगलवार की सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ हर्षोल्लास और श्रद्धा के वातावरण में संपन्न हुआ। जिलेभर में तड़के सुबह से ही श्रद्धालुओं का सैलाब विभिन्न तालाबों, नदियों और जलाशयों की ओर उमड़ पड़ा। नगर के प्रमुख बंधा तालाब घाट पर सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली, जहां हजारों की संख्या में व्रतधारी महिलाएं और श्रद्धालु एकत्र हुए। छठ महापर्व के अंतिम दिन प्रातःकालीन अर्घ्य का विशेष महत्व होता है। सुबह होते ही व्रतधारी महिलाएं साड़ी में पारंपरिक श्रृंगार कर सूप में ठेकुआ, केला, नारियल और अन्य प्रसाद सामग्री लेकर घाट पर पहुंचीं। उन्होंने सूर्य देवता को जल अर्पित कर परिवार की सुख-समृद्धि, निरोगी जीवन और समाज के कल्याण की कामना की। इस दौरान छठी मैया के जयकारे और भक्ति गीतों से पूरा वातावरण गूंज उठा। बंधा तालाब घाट को आकर्षक तरीके से सजाया गया था। जगह-जगह रंगीन तोरण द्वार, झालरों और दीपों से पूरा परिसर प्रकाशन नजर आया। महिलाओं ने पारंपरिक परिधानों में छठी माता के गीतों पर सामूहिक रूप से भक्ति रस में डूबकर पूजा-अर्चना की। घाट पर स्थानीय कलाकारों ने भजन-कीर्तन भी प्रस्तुत किए, जिससे वातावरण और भी भक्तिमय हो उठा।

व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम

छठ पर्व को देखते हुए प्रशासन और नगर पालिका द्वारा विशेष व्यवस्था की गई थीं। घाटों की साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था, पेयजल और सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम किए गए थे। पुलिस प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रण और यातायात व्यवस्था के लिए अतिरिक्त बल तैनात रहा। महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए महिला पुलिसकर्मी भी घाटों पर मौजूद रहीं।

आस्था, एकता और समर्पण का प्रतीक पर्व

छठ महापर्व को लोक आस्था और पर्यावरण से जुड़ा पर्व माना जाता है, जिसमें सूर्य देव और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की जाती है। कोंडागांव में इस पर्व ने सामाजिक एकता, पारिवारिक समरसता और श्रद्धा की मिसाल पेश की। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही व्रतधारियों ने अपने परिवार, समाज और देश की उन्नति की कामना करते हुए छठ महापर्व का समापन किया। इस दौरान घाटों से लौटते समय श्रद्धालुओं के चेहरों पर भक्ति, संतोष और प्रसन्नता की झलक साफ दिखाई दी।

ग्रामीण इलाकों में भी रहा उल्लास

केवल नगर ही नहीं, बल्कि जिले के ग्रामीण अंचलों में भी छठ पूजा पूरे उत्साह और पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाई गई। फरसगांव, केशकाल और कोंडागांव ब्लॉक के अन्य गांवों में भी श्रद्धालुओं ने तालाबों और नदी किनारे अर्घ्य अर्पित किया।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा अब बदलाव की राह पर है बस्तर

सुकमा। नक्सल प्रभावित इलाकों में विकास की नई कहानी लिखी जा रही है। इसी क्रम में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा सुकमा जिले के सुदूर वनांचल ग्राम दुलेड़ पहुंचे। यह पहला अवसर था जब राज्य के उपमुख्यमंत्री ने इस घोर नक्सल प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। उनके साथ दंतेवाड़ा विधायक चौतराम अटामी भी मौजूद रहे। ग्राम दुलेड़ में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में भारी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति ने क्षेत्र के बदलते हालात का संदेश दिया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि दुलेड़ में सुरक्षा बलों का कैंप खुलने के बाद अभूतपूर्व बदलाव आया है। अब यहां के लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए अग्रसर हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर संभाग के सभी जनप्रतिनिधि आदिवासी समाज से ही आते हैं, और यह गर्व की बात है कि राज्य के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय भी आदिवासी वर्ग से हैं। उन्होंने स्पष्ट संदेश देते हुए कहा कि

जो लोग भोले-भाले ग्रामीणों को बहकाकर हिंसा के मार्ग पर ले जाते हैं, वे समाज के दुश्मन हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार वनांचल के विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है। वर्षों तक नक्सलियों ने गांवों तक बिजली, पानी और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं को रोककर रखा, लेकिन अब शासन की नीतियों से हर गांव में परिवर्तन की बयार बह रही है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे भटके हुए युवाओं को मुख्यधारा में लौटने के लिए प्रेरित करें। हाल ही में दो दिनों में 300 लोगों ने हथियार छोड़कर समाज में लौटने का फैसला किया, जिनका ग्राम स्तर पर स्वागत किया गया है। शर्मा ने बताया कि शासन ने आत्मसमर्पण करने वाले युवाओं के पुनर्वास के लिए संवेदनशील पुनर्वास नीति तैयार की है। साथ ही इलवद पंचायत योजना के अंतर्गत अब सशस्त्र नक्सल मुक्त ग्रामों को एक करोड़ रुपये के विकास कार्यों की स्वीकृति दी गई है, जिसके अंतर्गत गांवों में बारहमासी सड़क, मोबाइल टावर, पेयजल व्यवस्था और बस परिवहन जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उददेश्य है कि वनवासियों को उनके वन उत्पादों का उचित मूल्य मिले, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं हर घर तक पहुंचे और क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित हो। कार्यक्रम में गृहमंत्री शर्मा ने युवाओं को क्रिकेट किट का वितरण किया। गांव के लोगों ने उपमुख्यमंत्री का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया और क्षेत्र में विकास की पहल के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि धनीराम बारसे, एडीजी विवेकानंद सिन्हा, कमिश्नर डोमन सिंह, आईजी पी. सुंदरराज, कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव, एसपी किरण चव्हाण, जनपद अध्यक्ष कोंटा कुसुमलता कोवासी, नगर पंचायत अध्यक्ष हुंगाराम मरकाम, जनपद सदस्य मड़कम भीमा, सरपंच दुलेड़ सेन्द्रा बारसे सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

सड़क मरम्मत में फर्जीवाड़े को लेकर सीसीएफ ने दिए जांच के आदेश, पूर्व वनमण्डल के भानुप्रतापपुर परिक्षेत्र का मामला

भानुप्रतापपुर। पूर्व वनमण्डल अंतर्गत भानुप्रतापपुर वन परिक्षेत्र के बांसला, कच्चे व आसूलखार में वन मार्ग सड़को तथा पुलियों के निर्माण व दुरुस्ती कार्य के नाम पर वित्तीय वर्ष 2023-24, 2024-25 एवं 2025-26 में लाखो रुपये आहरण कर लिया गया है जबकि मौके पर बिल्कुल भी कार्य नहीं हुआ है। इस मामले को लेकर मुख्यमंत्री, प्रधान मुख्य वन संरक्षक रायपुर, मुख्य वन संरक्षक कांकेर एवं वनमंडल भानुप्रतापपुर में शिकायत देकर जाँच की माँग की गई थी। जिसे गंभीरता से लेते हुए मुख्य वन संरक्षक कांकेर राजेश चंदेले ने अपने पत्र क्रमांक/ नि.स./ शिका.सीधे/ 7060 कांकेर 16/10/2025 के माध्यम से वृत्त कार्यालय के संलग्न अधिकारी लखन लाल नागेश को जाँच का आदेश दिया है और 15 दिवस के भीतर जाँच प्रतिवेदन प्रस्तुत करने निर्देशित किया है। इस आदेश के बाद से भानुप्रतापपुर परिक्षेत्र के रेंजर व डिप्टी रेंजरों में हड़कंप मचा हुआ है। ज्ञात हो कि पूर्व में भी भी तालाब निर्माण, डैम निर्माण, भवनों की रंगाई- पोताई, पौधारोपण, भू जल

संरक्षण जैसे कार्यों में अनियमितता और भ्रष्टाचार की शिकायते सामने आ चुकी चुकी है। लेकिन बड़े-बड़े अधिकारियों की संलिप्तता के चलते दस्तावेजों को विगत 2 वर्षो से दबाए रखा गया। वनमंडल पूर्व भानुप्रतापपुर अंतर्गत सभी परिक्षेत्र में इसी बीच बड़े पैमाने पर फर्जी बिल व्हाउचर बनाकर करोड़ों की राशि बंदरबांट की गई है। आरटीआई लगाने के बावजूद जानकारी नहीं दी जा रही थी जो किसी बड़े भ्रष्टाचार को ही छुपाने का प्रयास है। भानुप्रतापपुर परिक्षेत्र के ग्राम बांसला में सड़क मरम्मत के नाम पर बिना किसी कार्य के लगभग 40 लाख रुपये आहरण कर लिए गए है। इसी तरह बारिश के पूर्व शासकीय भवनों की मरम्मत व रंगाई पोताई के नाम पर भी 60-70 लाख रुपये खर्च दिखाया गया है, जबकि कुछ ही भवनों में वाटर प्रूफिंग का कार्य हुआ है। इसके पहले पीछेकट्टा, साल्हे व इरागाँव में तालाब निर्माण में गड़बड़ी उजागर हुई थी, जहाँ तीन तालाब की स्वीकृति लेकर दो ही तालाब बनाये गए थे और तीन तालाब की राशि आहरण कर ली गई थी। दाबकट्टा में दो वर्ष पूर्व डैम बनवाया गया था जिसमे गेट ही नहीं लगाया गया जबकि उसकी भी पूरी राशि आहरण कर ली गई है।

सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन के दंतेवाड़ा जिलाध्यक्ष बने सुधीर सिंह चौहान

किरंदुल। दंतेवाड़ा हाई स्कूल ग्राउंड छात्रावास में सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन का निर्वाचन सम्पन्न किया गया। बता दें नामांकन के लिए 26 तारीख का समय निर्धारित किया गया था। इस दौरान एक नामांकन प्राप्त हुआ और उस नामांकन के आधार पर सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन जिला इकाई दंतेवाड़ा के जिला अध्यक्ष का निर्वाचन किया गया। सभी की उपस्थिति में सुधीर सिंह चौहान को जिला अध्यक्ष घोषित किया गया। इस अवसर पर प्रांतीय पदाधिकारी सुरजीत सिंह चौहान ने कहा कि जिला अध्यक्ष एवं ब्लॉक

अध्यक्ष मिलकर सभी संगठन को ऊंचाइयों तक ले जाने में अपनी अहम भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सुधीर सिंह चौहान ने कहा कि मुझे यह अवसर मिला हैं और में इस अवसर को संगठन के लिए कार्य करके ऊंचाई तक ले जाने एवं संगठन सभी मिलकर एक साथ हर कार्य को करते हुए संगठन को ऊंचाई तक ले जाएंगे और सभी ब्लॉक अध्यक्ष मेरे महत्वपूर्ण अंग है और उनके साथ मिलकर हमें कार्य करते हुए आगे बढ़ाना हैं।

बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ के चुनाव को लेकर व्यापारी मतदाताओं में खासा उत्साह : गणेश गुप्ता

3 नवम्बर को होगा बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ का चुनाव

किरंदुल। लौह नगरी में 03 नवम्बर को होने जा रहे बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ के चुनाव को लेकर सभी प्रत्याशियों ने फूल माला पहनकर नारेबाजी करते हुए गाजेबाजे के साथ अपने समर्थकों के साथ आतिशबाजी करते हुए नामांकन पत्र दाखिल किया। व्यापारियों में चुनाव को लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है। इस संबंध में चर्चा करते हुए बैलाडीला के व्यापारी गणेश गुप्ता ने बताया कि बैलाडीला व्यापारी कल्याण संघ के बैनर तले 03 नवम्बर को हो रहे मतदान प्रणाली के चुनाव में किरंदुल के पूरे व्यापारी साथियों में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है।

उगते सूरज को अर्घ्य दिया मांगी मन्नत, आस्था का महापर्व छठ पूजा हुई संपन्न

किरंदुल। सूर्य उपासना से जुड़ा लोक आस्था के महापर्व छठ के चौथे दिवस मंगलवार सुबह 6:02 बजे इसका समापन हुआ। किरन्दुल स्थित श्री राघव मंदिर परिसर में बना छठ घाट में व्रतियों ने उगते हुए सूर्य देव को अर्घ्य दिया और छठी मैया की पूजा के साथ यह पर्व संपन्न हुआ। छठ घाट में पूजन के आखिरी दिन व्रती महिलाएं दउरा में फल एवं पूजन की सामग्री लेकर तड़के घाट पर पहुंचे। घंटो पानी में खड़ा रहकर स्नानादि करने के बाद सूर्य उदय होते ही उन्हें अर्घ्य देकर प्रसाद का वितरण किया।इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु जुटे व हवन में आहुति दी।

स्वच्छ भारत अभियान के तहत पार्षद मनीष श्रीवास्तव ने चलाया सफाई अभियान

कोण्डागांव। नगर पालिका कोण्डागांव के अंतर्गत आने वाले तहसीलपारा वार्ड में वार्ड पार्षद मनीष श्रीवास्तव के नेतृत्व में 28 अक्टूबर को स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान पार्षद मनीष श्रीवास्तव ने अपने हाथों में झाड़ू थामकर लोक निर्माण विभाग कार्यालय परिसर और उसके समीप स्थित बस स्टॉप क्षेत्र की सफाई की। उन्होंने उपस्थित नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि हर नागरिक का कर्तव्य है। स्वच्छ वातावरण में बीमारियों का खतरा कम होता है और समाज में स्वास्थ्यकर माहौल बनता है। इस दौरान उन्होंने स्थानीय नागरिकों से अपने आसपास की स्वच्छता बनाए रखने और जन सहयोग से अभियान को सफल बनाने की अपील की। स्वच्छता अभियान में वार्डवासियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर अमृत पटेल, शरद सेन, शशांक गुप्ता, सैयद कदर हुसैन, संजय मोदी, शिव कुमार शाह सहित अन्य नागरिकों ने भी अपनी सहभागिता निभाई है।

मूलभूत कार्यों के लिए ग्राम पंचायतों को 4 करोड़ रूपये से अधिक की राशि जारी

कांकेर। जिले की ग्राम पंचायतों को मूलभूत कार्यों के लिए अनुदान मद अंतर्गत प्रथम किश्त की राशि 04 करोड़ 26 लाख 03 हजार रूपये जारी किए गए हैं।

जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हरेश मंडावी ने बताया कि राज्य शासन से प्राप्त उक्त आबंटन की राशि को जिले की सभी 454 ग्राम पंचायतों के मूलभूत बैंक खाता में जारी की गई है। उन्होंने बताया कि जिले की अंतागढ़ जनपद पंचायत की 56 ग्राम पंचायतों के लिए 49 लाख 93 हजार 738 रूपये, भानुप्रतापपुर की 52 ग्राम पंचायतों हेतु 53 लाख 72 हजार 892 रूपये, चारामा की 64 ग्राम पंचायतों के लिए 57 लाख 02 हजार 992 रूपये, दुर्गूकोंदल की 44 ग्राम पंचायतों को 43 लाख 53 हजार 590 रूपये, कांकेर विकासखण्ड की 64 ग्राम पंचायतों के लिए 56 लाख 27 हजार 179 रूपये, कोयलीबेड़ा की 103 ग्राम पंचायतों के लिए 99 लाख 58 हजार 150 रूपये और जनपद पंचायत नरहरपुर की 71 ग्राम पंचायतों के लिए 65 लाख 94 हजार 459 रूपये की राशि जारी की गई है।

झिटकाटोला के ग्रामीणों का माइंस के खिलाफदसवें दिन भी जारी रहा आंदोलन

भानुप्रतापपुर। ग्राम पंचायत झिटकाटोला के बैनर तले कलवर माइंस प्रबंधन के खिलाफ जारी अनिश्चितकालीन हड़ताल दसवें दिन भी जारी रही। ग्रामीण अपनी मूलभूत सुविधाओं और रोजगार अधिकारों की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि माइंस प्रबंधन ने वर्षों से क्षेत्र के प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग तो किया, लेकिन बदले में गांव के विकास की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। स्थानीय युवाओं को रोजगार देने के बजाय बाहरी लोगों को नौकरी दी जा रही है, जिससे गांव के बेरोजगार युवाओं में रोष है। युवा प्रदर्शनकारियों ने कहा हमने अपनी जमीन दी, पर्यावरण गंवाया, लेकिन बदले में हमें सिर्फ वादे मिले। अब वादों से पेट नहीं भरता। ग्रामीणों की मांगों में माइंस में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता देकर रोजगार दिए जाने, खराब सड़कों की मरम्मत, उप स्वास्थ्य केंद्र की

स्थापना, विद्युत, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य की व्यवस्था आदि शामिल हैं। ग्रामीण महिलाओं ने कहा हमारे बच्चों का भविष्य अंधेरे में है। अगर हमारी बात नहीं सुनी गई, तो हम माइंस का गेट बंद कर देंगे। यह आखिरी मौका है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है, कि यदि उनकी मांगें जल्द पूरी नहीं की गई, तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा। अब तक प्रशासन और माइंस प्रबंधन की ओर से कोई ठोस पहल नहीं की गई है, जिससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत अधिकारियों-कर्मचारियों ने ली सत्यनिष्ठा से दायित्व निर्वहन करने की शपथ

जगदलपुर। केंद्रीय सतर्कता आयोग के सतर्कता जागरूकता सप्ताह के तहत कलेक्टोरेट में अधिकारियों-कर्मचारियों द्वारा देश की आर्थिक-सामाजिक विकास की दिशा में सत्यनिष्ठा के साथ अनवरत दायित्व निर्वहन करने की शपथ ली गई। इस दौरान सभी ने देश की आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक प्रगति में भ्रष्टाचार के विरूद्ध सतर्क होकर सदैव ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा के उच्चतम मानकों के प्रति वचनबद्धता के साथ जीवन के सभी क्षेत्रों में ईमानदारी तथा कानून के नियमों का पालन करने, सभी कार्य ईमानदारी तथा पारदर्शी रीति से करने सहित जनहित में कार्य कर अपने निजी आचरण में ईमानदारी दिखाकर उदाहरण प्रस्तुत करने का संकल्प लिया। इस मौके पर अपर कलेक्टर सीपी बघेल सहित कलेक्टोरेट के विभिन्न विभागों के अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

स्कूली छात्रों को सेना में भर्ती होने किया जाएगा प्रोत्साहित जिले में चलाया जाएगा जागरूकता अभियान

बिलासपुर। जिले के स्कूली छात्र-छात्राओं को सेना में भर्ती होने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। जिसके लिए निदेशक, क्षेत्रीय कार्यालय सेना भर्ती रायपुर द्वारा जागरूकता अभियान चलाने की पहल की जा रही है। अभियान के तहत 31 अक्टूबर को सेजेस मल्टीपरपस दयालबंद में दोपहर 1 बजे से एवं सेजेस तिफरा में दोपहर 3 बजे से जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार जिला मुख्यालय एवं ब्लाक मुख्यालय के स्कूलों में शिक्षकों तथा कक्षा 11वीं एवं 12वीं के छात्र-छात्राओं के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इन कार्यक्रमों में सेना के अधिकारियों द्वारा छात्रों को भारतीय सेना में भर्ती प्रक्रिया, योग्यता, शारीरिक दक्षता, परीक्षा पद्धति तथा कैरियर के अवसरों की जानकारी दी जाएगी। एनसीसी, स्काऊट गाईड, रेडक्रास के पदाधिकारियों की उपस्थिति भी इन कार्यक्रमों में होगी।

फिजियाथेरेपिस्ट के 3 रिक्त पदों पर आवेदन 7 तक

बिलासपुर। जिले के विकासखण्डों में दिव्यांग बच्चों के लिए संचालित समावेशी संसाधन स्त्रोत केन्द्र हेतु फिजियाथेरेपिस्ट के 3 रिक्त पदों पर 7 नवम्बर तक आवेदन किये जा सकते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी एनआईसी के वेबसाईट 222.ड्ढद्यड्डह्यश्चह्वह्म्.द्दश1.द्बठ्ठ में उपलब्ध है। विज्ञापन एवं आवेदन का प्रारूप जिला पंचायत के द्वितीय तल जिला परियोजना कार्यालय बिलासपुर के सूचना पटल पर चस्पा किया गया है।

ई-ऑफिस संचालन हेतु प्रशिक्षण 30 अक्टूबर को

बिलासपुर। जिले में ई-ऑफिस प्रणाली के क्रियान्वयन एवं सुचारू संचालन के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 30 अक्टूबर को जल संसाधन विभाग के प्रार्थना सभाकक्ष में सवेरे 10.30 बजे से किया जाएगा। प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स, नोडल अधिकारी तथा जिला स्तर के प्रत्येक विभाग से कम से कम दो अधिकारी एवं कर्मचारी की उपस्थिति अनिवार्य रखी गई है। अधिकारियों को प्रशिक्षण स्थल पर समय पर उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। ई-ऑफिस प्रशिक्षण का यह कार्यक्रम संभागवार दो चरणों में 28 अक्टूबर से 14 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है, जिसके तहत विभिन्न विभागों के कर्मचारियों को ई-ऑफिस के प्रभावी उपयोग और संचालन संबंधी जानकारी प्रदान की जा रही है।

बाल विवाह रोकथाम के लिए शादी सेवा प्रदाताओं से प्रशासन की अपील

बिलासपुर। जिला प्रशासन ने जिले के समस्त शादी सेवा प्रदाताओं पंडित, काजी, मौलवी, फादर, पादरी, प्रीस्ट, ग्रंथी, वैवाहिक पत्रिका प्रिंटर्स, टेंट संचालक, शादी भवनों के प्रबंधक, कैटरर्स, लाइटमेन, बैंड, डीजे संचालक, डेकोरेटर्स, मिठाई दुकान संचालक, पार्लर संचालक एवं ज्वेलरी दुकान संचालकों से बाल विवाह रोकथाम में सहयोग करने की अपील की है। महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने बताया कि बाल विवाह न केवल एक सामाजिक बुराई है, बल्कि कानूनन अपराध भी है, जिससे बच्चों का शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास प्रभावित होता है। बाल विवाह के कारण बच्चों में कुपोषण, शिशु-मृत्यु दर, मातृ-मृत्यु दर और घरेलू हिंसा जैसी समस्याएँ बढ़ती हैं। बाल विवाह प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 2016 के तहत विवाह के लिए बालक की न्यूनतम आयु 21 वर्ष एवं बालिका की न्यूनतम आयु 18 वर्ष होना अनिवार्य है। अधिनियम की धारा 10 एवं 11 के अंतर्गत जो कोई भी बाल विवाह को संपन्न, संचालित, निर्दिष्ट या प्रेरित करेगा, उसे दो वर्ष तक का कठोर कारावास या एक लाख रुपये तक के जुर्माने से दंडित किया जाएगा। उन्होंने शादी सेवा प्रदाताओं से आग्रह किया है कि वे विवाह से पहले वर-वधु की आयु की दस्तावेजों के माध्यम से पुष्टि अवश्य करें और केवल वैध आयु पूर्ण होने के बाद ही अपनी सेवाएँ प्रदान करें। इसके साथ ही आम नागरिकों से अपील की गई है कि यदि कहीं बाल विवाह की सूचना प्राप्त हो, तो तुरंत चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन सहायता प्रणाली 112, या निकटतम थाने में सूचना दें।

सैनिक स्कूल में प्रवेश के लिए आवेदन 30 तक

बिलासपुर। सैनिक स्कूल अम्बिकापुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 6वीं एवं 9वीं में प्रवेश के लिए ऑनलाईन आवेदन 30 अक्टूबर शाम 5 बजे तक किये जा सकते है। प्रवेश परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी द्वारा आयोजित की जाएगी। इच्छुक विद्यार्थी एनटीए की आधिकारिक वेबसाईट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट एनटीए डॉट एसी डॉट इन पर ऑनलाईन आवेदन कर सकते है।

नए मापदंड के साथ उज्जवला योजना 3 का आगाज़

बैठक में जारी किए गैस एजेंसी संचालकों को दिशा-निर्देश

- पीएम उज्ज्वला योजना से जिले के 13,761 गरीब परिवारों को मिलेंगे नि:शुल्क गैस सिलेंडर
- 2.94 लाख लोगों को मिल चुका है योजना का लाभ

बिलासपुर। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 3.0 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु कलेक्टर संजय अग्रवाल के निर्देश पर खाद्य नियंत्रक अमृत कुजूर की अध्यक्षता में मंथन सभाकक्ष में गैस एजेंसी संचालकों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के विभिन्न गैस कंपनियों के 30 से अधिक एजेंसी प्रतिनिधि शामिल हुए। मालूम हो कि बिलासपुर जिले को इस योजना के तहत इस साल 13 हजार 761 हितग्राहियों को लाभान्वित करने का लक्ष्य मिला है। उन्होंने शिविर लगाकर प्रकरण तैयार करने और हितग्राहियों को लाभान्वित करने के निर्देश दिए है। खाद्य नियंत्रक श्री कुजूर ने बैठक में कहा कि शिविर लगाकर प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 3.0 का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ ले सकें। उन्होंने कहा कि वे पात्र हितग्राहियों के दस्तावेजों का सत्यापन पंचायतों के साथ समन्वय बनाकर वितरण की प्रक्रिया में लक्ष्य की प्राप्ति की जाए और वितरण कार्य में पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करें। उन्होंने निर्धारित समय सीमा के भीतर शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने खाद्य विभाग के अधिकारियों को आवेदन, फॉलोअप और पात्र हितग्राहियों को शीघ्रता से गैस कनेक्शन उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए। आवेदन पत्र में दी गई जानकारी की जांच के बाद ही कनेक्शन प्रदान किया जाएगा। इसके साथ ही नई गाइडलाइन के अनुसार हितग्राहियों को नए आवेदन प्रस्तुत करने होंगे। खाद्य नियंत्रक ने कहा कि उज्ज्वला योजना के अंतर्गत वितरण की जानकारी ग्राम पंचायतों में सूचना पटल एवं स्थानीय माध्यमों से सार्वजनिक की जाएगी ताकि कोई पात्र परिवार योजना से वंचित न रह जाए। यह योजना महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार, स्वास्थ्य सुरक्षा और स्वच्छ ईंधन के उपयोग को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण है। खाद्य नियंत्रक श्री कुजूर ने बताया कि जिले में अब 2 लाख 94 हजार से अधिक परिवारों को प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना का लाभ दिया जा चुका है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 3.0 के अंतर्गत जिले में 13 हजार 761 नए गैस कनेक्शन जारी करने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। बैठक में उज्जवला योजना के नोडल हेमप्रकाश साहू, एफ्ओ अजय मौर्य, राजीव लोचन तिवारी, श्रीमती सविता शर्मा, विनिता दास, फूड इंस्पेक्टर आशीष दीवान, मंगेशकांत, ललीता शर्मा, वर्षा सिंह एवं वसुधा राजपूत सहित एलपीजी गैस कंपनी के अभिकर्ता उपस्थित थे। नए कनेक्शन के लिए पात्रता निर्धारित - प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना 3.0 के अंतर्गत पात्र हितग्राहियों को नि:शुल्क गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के तहत पात्रता के लिए नए मापदंड निर्धारित किए गए हैं। जिन परिवारों में कोई सदस्य प्रति माह 10 हजार रुपए से अधिक कमाता हो, व्यवसायिक कर या आयकर का भुगतान करता हो, घर का कोई सदस्य सरकारी कर्मचारी हो अथवा सरकार के पास पंजीकृत गैर-कृषि उद्यम हो, उन्हें योजना के दायरे से बाहर रखा गया है।

श्री रामलला दर्शन योजना : संभाग से 850 और जिले के 225 श्रद्धालु अयोध्या धाम के लिए हुए रवाना

- बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने दिखाई हरी झंडी

बिलासपुर। श्री रामलला दर्शन योजना के तहत आज भारत गौरव ट्रेन बिलासपुर संभाग के 850 श्रद्धालु को लेकर अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई। इस विशेष ट्रेन को बिल्हा विधायक श्री धरमलाल कौशिक ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती पूजा विधानी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री राजेश सूर्यवंशी, अन्य जनप्रतिनिधि, जिला प्रशासन, छत्तीसगढ़ टूरिज्म बोर्ड के अधिकारी-कर्मचारी एवं रेलवे के कर्मचारी उपस्थित थे। बिलासपुर रेलवे स्टेशन से अयोध्या धाम यात्रा के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं का स्टेशन में भव्य स्वागत किया गया। गाजे बाजे और पारंपरिक नृत्य और तिलक लगाकर भक्तों का स्वागत किया गया। ये श्रद्धालु काशी विश्वनाथ का भी दर्शन करेंगे। दर्शन के लिए जा रहे इन श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया। अयोध्या धाम के लिए रवाना हुई इस विशेष ट्रेन में बिलासपुर जिले के 225 यात्री भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत श्रद्धालुओं को पूरा पैकेज मिलेगा जिसमें छत्तीसगढ़ से अयोध्या जाने, वहां ठहरने की व्यवस्था, मंदिर दर्शन, नाश्ते और खाने की भी व्यवस्था रहेगी। इस ट्रेन में टूर एस्कॉर्ट, सुरक्षा कर्मी और चिकित्सकों का दल भी मौजूद रहेगा।

बिलासपुर स्टेशन में यात्रियों की सुविधा हेतु रैपिडो राइड हेलिंग सेवा का शुभारंभ

- यात्रियों को स्टेशन से बिलासपुर शहर के विभिन्न स्थानों तक आने-जाने में मिलेगी सहूलियत

बिलासपुर। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा और सुगमता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर नये कदम उठाए जा रहे हैं। इसी क्रम में आज बिलासपुर स्टेशन में यात्रियों के लिए रैपिडो राइड हेलिंग सुविधा का विधिवत शुभारंभ वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह की उपस्थिति में एक महिला यात्री द्वारा किया गया। रैपिडो सेवा के प्रारंभ होने से अब यात्रियों को स्टेशन से बिलासपुर शहर के विभिन्न प्रमुख स्थानों तक आवागमन में सहूलियत होगी। यात्रियों को अब स्टेशन के बाहर परिवहन साधन की तलाश में समय नहीं गंवाना पड़ेगा, बल्कि वे सीधे मोबाइल एप के माध्यम से रैपिडो सेवा बुक कर सकेंगे। साथ ही इस सुविधा से यात्रियों को समय की बचत, सुरक्षित यात्रा और किफायती परिवहन का लाभ मिलेगा। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री अनुराग कुमार सिंह ने बताया कि रेल प्रशासन का निरंतर प्रयास है कि यात्रियों को आधुनिक, तेज़ और सुविधाजनक परिवहन विकल्प उपलब्ध कराए जाएँ। रैपिडो सुविधा से स्टेशन से शहर के विभिन्न हिस्सों तक निर्बाध आवागमन संभव होगा। इससे यात्रियों को सहज, सुरक्षित और सुलभ यात्रा अनुभव मिलेगा। रेल प्रशासन को विश्वास है कि यह पहल यात्रियों को बेहतर परिवहन सुविधा प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी और यात्रियों की संतुष्टि में वृद्धि करेगी।

सिम्स में दोनों पैरों में पोलियो और रीढ़ में विकृति से पीड़ित महिला की सफल सर्जरी

- कई निजी अस्पतालों ने किया इनकार, सिम्स की टीम ने स्वीकार की चुनौती और दी नई जिंदगी

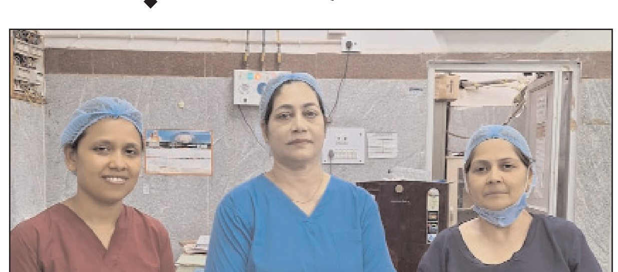

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान (सिम्स), बिलासपुर के डॉक्टरों ने एक अत्यंत जटिल और जोखिमपूर्ण सर्जरी को सफलतापूर्वक अंजाम दिया है। मरीज दोनों पैरों में पोलियो एवं रीढ़ की हड्डी में गंभीर विकृति से पीड़ित थीं, जिसके कारण उनका चलना-फिरना अत्यंत कठिन हो गया था। पिछले कई महीनों से वे पेट में तेज दर्द और असहनीय तकलीफ झेल रही थीं। महिला ने शहर के कई निजी अस्पतालों में इलाज कराया, परंतु जटिल शारीरिक स्थिति और अत्यधिक जोखिम को देखते हुए किसी ने भी सर्जरी का दायित्व नहीं लिया। अंततः सिम्स के चिकित्सकों ने यह चुनौती स्वीकार की और सफल ऑपरेशन कर एक मिसाल कायम की। जांच के दौरान मरीज के गर्भाशय में लगभग 16 सप्ताह के गर्भ के आकार की बड़ी गांठ (ट्यूमर) पाई गई, जिसे सर्जरी के दौरान सुरक्षित रूप से निकाला गया। यह ऑपरेशन आयुष्मान योजना के तहत नि:शुल्क में किया गया है। सर्जरी का नेतृत्व डॉ. संगीता रमन जोगी, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, प्रसूति एवं स्त्री रोग विभाग ने किया। उनकी टीम में डॉ. दीपिका सिंह, डॉ. रचना जैन (एसोसिएट प्रोफेसर) और डॉ. दीक्षा चंद्राकर (पीजी रेज़िडेंट) शामिल रहीं। एनेस्थीसिया टीम का मार्गदर्शन डॉ. मधुमिता मूर्ति, प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, एनेस्थीसिया विभाग ने किया। टीम में डॉ. भावना रॉयजादा, डॉ. श्वेता कुजूर एवं डॉ. मिल्टन देबर्मन डॉ सुरभि बंजारे शामिल थे, जिन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में भी एनेस्थीसिया को अत्यंत कुशलता से प्रबंधित किया। सर्जरी के उपरांत मरीज की स्थिति पूरी तरह स्थिर है और वह तेजी से स्वस्थ हो रही हैं। इस अवसर पर सिम्स के अधिष्ठाता डॉ. रमणेश मूर्ति ने कहा कि यह सर्जरी सिम्स संस्थान की चिकित्सा क्षमताओं, विशेषज्ञता और टीमवर्क का उत्कृष्ट उदाहरण है। हमारे चिकित्सक हर चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में मरीजों को सर्वोत्तम इलाज प्रदान करने के लिए समर्पित हैं। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. लखन सिंह ने कहा कि सिम्स बिलासपुर की यह उपलब्धि चिकित्सा क्षेत्र में समर्पण, निष्ठा और उत्कृष्टता का प्रेरक उदाहरण है, जिसने यह सिद्ध किया है।

जे एस मीना एवं के श्रीनिवास ने मंडल के अपर मंडल रेल प्रबंधक का पदभार ग्रहण किया

बिलासपुर। दिनांक 27 अक्टूबर 2025 को श्री जे एस मीना ने अपर मंडल रेल प्रबंधक-एवं श्री के श्रीनिवास ने अपर मंडल रेल प्रबंधक-ढ्ढढ्ढ का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर आयोजित एक सादे समारोह में मंडल रेल प्रबंधक श्री राजमल खोईवाल द्वारा दोनों नवनियुक्त अपर मंडल रेल प्रबंधक का स्वागत और पूर्व अपर मंडल रेल प्रबंधक को स्मृति चिन्ह प्रदान कर भावभीनी विदाई दी गई 7 इस अवसर पर मंडल के सभी शाखाधिकारी उपस्थित थे ज्ञात हो कि श्री जे एस मीना भारतीय रेलवे भंडार सेवा के 2004 बैच के अधिकारी हैं। इसके पूर्व वे पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर में मुख्य भंडार प्रबंधक के पद पर पदस्थ थे। श्री के श्रीनिवास भारतीय रेलवे यांत्रिक अभियांत्रिकी सेवा के 2006 बैच के अधिकारी हैं। इसके पूर्व वे दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मुख्यालय में चीफ रोलिंग स्टॉक इंजीनियर के पद पर पदस्थ थे।

विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण आयोजित 4 नवंबर से शुरू होगा विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्यक्रम

बिलासपुर। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के तहत आज मंथन सभाकक्ष में निर्वाचन कार्य में संलग्न अधिकारियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।छत्तीसगढ़ निर्वाचन आयोग द्वारा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप प्रशिक्षण के माध्यम से पुनरीक्षण के विषय में विस्तार से जानकारी दी गई। छत्तीसगढ़ राज्य में अर्हता तिथि 1 जनवरी 2026 के संदर्भ में निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 4 नवम्बर से शुरू होगा। जिला स्तर पर इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में दर्ज करने, आवश्यक सुधार करने तथा मृत अथवा स्थानांतरित मतदाताओं के नाम विलोपित करने की प्रक्रिया को और अधिक सटीक एवं पारदर्शी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। आज छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा राज्य स्तरीय ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया गया मंथन में आयोजित इस प्रशिक्षण में एसडीएम ,तहसीलदार सहित निर्वाचन कार्य में संलग्न जिला एवं खंड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स शामिल हुए। प्रशिक्षण सत्र का आयोजन जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में किया गया, जिसमें आयोग के अधिकारियों द्वारा विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 से संबंधित विस्तृत दिशा-निर्देश साझा किए गए। अधिकारियों को बताया गया कि पुनरीक्षण अवधि के दौरान बूथ स्तर अधिकारी घर-घर जाकर गणना प्रपत्र प्रत्येक पात्र मतदाता तक पहुँचाएँगे और आवश्यक जानकारी संकलित करेंगे। सत्र में आयोग द्वारा निर्धारित फॉर्मों की प्रक्रिया, जैसे-नाम जोड़ने, संशोधन कराने या विलोपन हेतु आवेदन, आवश्यक दस्तावेजों के संलग्न करने की विधि तथा मतदाता सूची अद्यतन के संवैधानिक प्रावधानों की जानकारी विस्तार से दी गई। साथ ही, बी.एल.ए. की नियुक्ति और उनके कर्तव्यों पर भी प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान अधिकारियों को बताया गया कि कार्यक्रम के अगले चरण में, 30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2025 तक, राज्य के सभी 6 विधानसभा क्षेत्रों में बूथ स्तर के अधिकारियों को जिले के मास्टर ट्रेनर्स द्वारा इसी विषय पर गहन प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री शिवकुमार बनर्जी उपस्थित रहे। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को समयबद्ध, पारदर्शी और त्रुटिहीन रूप से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची किसी भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया की आधारशिला होती है, अतः उसकी शुद्धता और पूर्णता सुनिश्चित करना प्रत्येक अधिकारी की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

हावड़ा-अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-3 एवं शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में अतिरिक्त एक एसी -3 व एक स्लीपर कोच की सुविधा ।

बिलासपुर। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की बेहतर यात्रा सुविधा व अधिकाधिक यात्रियों को कंफर्म बर्थ उपलब्ध कराने हेतु दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से गुजरने वाली 02 जोड़ी गाड़ियों में अतिरिक्त एसी-03 एवं स्लीपर कोच की सुविधा अस्थायी रूप से उपलब्ध कराई जा रही है इस सुविधा की उपलब्धता से इन गाड़ियों में यात्रा करने वाले अधिकाधिक यात्री लाभान्वित होंगे विवरण इस प्रकार है गाड़ी संख्या 12834/12833 हावड़ा-अहमदाबाद-हावड़ा एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-03 कोच की सुविधा हावड़ा से 29 अक्टूबर 2025 से 24 नवम्बर 2025 तक तथा अहमदाबाद से 01 नवम्बर 2025 से 27 नवम्बर 2025 तक उपलब्ध रहेगी । गाड़ी संख्या 18030/18029 शालीमार-एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस में एक अतिरिक्त एसी-03 व एक स्लीपर कोच की सुविधा शालीमार से 29 अक्टूबर 2025 से 24 नवम्बर 2025 तक तथा एलटीटी से 31 अक्टूबर 2025 से 26 नवम्बर 2025 तक उपलब्ध रहेगी ।

नहीं होगा स्किन कैंसर

वैज्ञानिकों ने त्वचा कैंसर (स्किन कैंसर) के संबंध में अहम सफलता हासिल करने का दावा किया है। वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्होंने तीन नए दोषपूर्ण जीनों को खोज निकाला है, जो किसी व्यक्ति में त्वचा कैंसर के सबसे खतरनाक रूप को विकसित करने का खतरा 30 प्रतिशत तक बढ़ा सकते हैं।

लंबे समय से माना जाता है कि गोरी त्वचा, नीली या हरी आंखें, सुनहरे या लाल बाल, ज्यादा तिल वाले लोगों के अलावा वे लोग जिनके परिवार में त्वचा कैंसर का इतिहास है, उन्हें मेलानोमा (त्वचा कैंसर का सबसे घातक प्रकार) का खतरा सबसे ज्यादा होता है। लीड्स विश्वविद्यालय के एक दल ने अध्ययन में दोषपूर्ण डीएनए से खतरनाक त्वचा कैंसर के संबंध को खोज निकालने का दावा किया है। इस अध्ययन के नतीजों से मेलानोमा के जोखिम से जूझ रहे लोगों की पहचान कर उनका इलाज सुनिश्चित करने का रास्ता साफ हो सकता है।

खून के नमूनों से जीन की जांच

खबर के अनुसार, वैज्ञानिकों का कहना है कि यह पहली बार है, जब उन्होंने जीन में ऐसे दोषों को खोजा है, जो व्यक्ति के बालों, त्वचा या आंखों के रंग से जुड़े हुए नहीं हैं। अपने शोध के लिए वैज्ञानिकों ने मेलानोमा से पीड़ित यूरोप के तीन हजार मरीजों से लिए खून के नमूनों में जीन की जांच पड़ताल की। उन्होंने इन नमूनों के साथ आम लोगों के नमूनों का तुलनात्मक अध्ययन किया।

मोतियाबिद की छुट्टी

ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने मोतियाबिद के इलाज में सक्षम पहली दवा बनाने का दावा किया है।

मोतियाबिंद में कालपेन नाम का प्रोटीन आंखों के लेंस के ऊपर इकट्ठा हो जाता है, जिससे आंखों की रोशनी प्रभावित होती है। वर्तमान में इसका इलाज सिर्फ इस प्रभावित लेंस को शल्य चिकित्सा के जरिए हटा कर नया कृत्रिम लेंस लगाने से होता है।

बिना शल्य चिकित्सा के दवा से इलाज

हालांकि अब एडिलेड विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के इस दल ने बिना शल्य चिकित्सा के ही इस बीमारी का इलाज करने का दावा किया है। इन वैज्ञानिकों का कहना है कि उन्होंने कालपेन थेरेनटिक्स के साथ मिल कर इस दवा का आविष्कार किया है और इसके प्रारंभिक परीक्षण सफल रहे हैं। हालांकि मानवों पर अभी इसका परीक्षण किया जाना बाकी है।

मोतियाबिंद हो जाएगा उड़नछू

इस दल के अगुवा प्रोफेसर एंड्रयू अबेल ने 'दी एडवर्टाइजर' को बताया कि यह दवा मोतियाबिंद को प्रभावी तौर पर बढ़ने से रोकेगी, जिससे शल्य चिकित्सा की जरूरत खत्म हो जाएगी।

सेहत और सौन्दर्य का तालमेल

रोग से नहीं, कारणों से लड़ें

जो कारण व्यक्तियों में रोग को जन्म देते हैं यदि उन्हें नियंत्रित किया जाए तथा उन परिस्थितियों को उत्पन्न किया जाए, जो व्यक्ति को स्वस्थ रखती हैं तो रोगों की पर्याप्त रोकथाम हो सकती है। मरीजों की दशा में इस प्रकार परिवर्तन किया जाए, ताकि उसकी रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि हो सके। जो वातावरण रोग को फैलाने में सहायक है, उसे परिवर्तित किया जाए। यह मान्यता है कि यदि एक व्यक्ति पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा तो सिर्फ वही व्यक्ति स्वस्थ रहेगा लेकिन यदि उस वातावरण को ही परिवर्तित कर दिया जाए, जो अस्वस्थता के लिए उत्तरदायी है तो सभी व्यक्ति स्वस्थ रहेंगे।

तीन प्रकार से होती है रोकथाम

प्राथमिक, द्वितीयक एवं तृतीयक, प्राथमिक रोकथाम का उद्देश्य है जिस जनसंख्या में रोग का जोखिम हो, वहां रोग की संभावना को कम करना। इस प्रकार व्यक्तियों को बीमार होने से रोकना ही प्राथमिक रोकथाम का लक्ष्य है। उदाहरण के लिए अपर्याप्त भोजन या गलत भोजन से कुपोषण की समस्या उत्पन्न होती है। स्वस्थ विकास के लिए तीन प्रकार की सामग्री की आवश्यकता होती है- दैहिक, मनोसामाजिक और सामाजिक-सांस्कृतिक।

शामिल है दैहिक सामग्री में

भोजन, मकान, खतरों से सुरक्षा और संवेदनिक उत्तेजना। मनोसामाजिक सामग्री दूसरों से इंटरेक्शन के माध्यम से हासिल होती है। इसमें शामिल है- भावनात्मक और बौद्धिक उत्तेजना, प्रेम और स्नेह तथा संतोषजनक सामाजिक परिस्थितियों में सहभागिता। सामाजिक- सांस्कृतिक सामग्री के अंतर्गत वे दबाव शामिल हैं, जो कि व्यक्ति की स्थिति और दूसरों के साथ व्यक्ति के अनुभव का निर्धारण करते हैं।

तीन स्तरों पर संभव है प्राथमिक रोकथाम

विस्तृत समाज, समुदाय एवं परिवार और छोटे समूह। द्वितीयक रोकथाम का उद्देश्य बीमार व्यक्तियों में रोग की अवधि, संक्रामकता और प्रवृत्ति में कमी लाना है। इसके अंतर्गत रोग का शीघ्र पता लगाने तथा शीघ्र उपचार पर बल दिया जाता है। उदाहरण के लिए टी.बी. का पता लगाने के लिए समय-समय पर एक्स-रे करवाना या दांतों की रक्षा के लिए दंत चिकित्सक के पास वर्ष में दो बार जाना। शीघ्र निदान और शीघ्र व प्रभावशाली उपचार ही द्वितीयक रोकथाम का लक्ष्य है। प्रारंभिक संकेतों के आधार पर ही उपचार प्रारंभ कर देने से रोग गंभीर रूप धारण नहीं कर पाता है।

सूचना उपलब्ध कराने के मुख्य उद्देश्य

विभिन्न रोगों के संकेतों के बारे में सूचना देना, उपलब्ध साधनों और उनके खर्च के बारे में बताना एवं विभिन्न रोगों से संबंधित मिथ्या धारणाओं को समाप्त करना। तृतीयक रोकथाम का उद्देश्य रोगी व्यक्तियों में रोग के परिणामों को कम करना है। रोग के पश्चात उसके प्रभावों को कम करना, ताकि व्यक्ति समुदाय में प्रभावशाली रूप से क्रियाशील रह सके।

विभिन्न रोगों मे सहायक है साबूदाना

साबूदाना जल्दी पचने वाला हल्का और पौष्टिक होता है। साबूदाने को कमजोर व्यक्ति एवं रोगियों को दूध या पानी में पकाकर पथ्य के रूप में देना चाहिए। साबूदाना फलाहार माना जाता है, इसको व्रत तथा एकासन के दिनों में उपयोग किया जाता है। साबूदाना शकरकंदी के गूदे से बनाया जाता है। शकरकंदी के मौसम में कारखाने वाले इसे इकट्ठा खरीदकर रख लेते हैं और बाद में इसका मावा बना लेते हैं। मावे को निकालकर मशीनों में डाला जाता है, जो साबूदाने के रूप में आता है। इसको सुखाए जाने के बाद इन पर ग्लूकोस और स्टार्च से बने पाउडर की पालिश की जाती है।

प्रयोगविधि : 100 ग्राम साबूदाने को एक गिलास पानी में रात को भिगो दें। सुबह छलनी में मिलाकर साबूदाना निकाल लें तथा पानी फेंक दें। फिर साबूदाने को हल्की आग पर सेंकें। सेंकते समय इन पर 1 चम्मच घी और 1 चम्मच जीरा डाल दें। सेंकने के बाद इन पर स्वादानुसार चीनी और चौथाई चम्मच नमक मिलाकर सुबह खाली पेट सेवन करना चाहिए। इसके सेवन के पश्चात 3 घंटे और किसी चीज का सेवन नही करना चाहिए। इस मिश्रण से दस्त जल्दी बंद हो जाते हैं।

दस्त (अतिसार) के आने पर : लगभग 3 ग्राम साबूदाने को ठंडे पानी के साथ सुबह और शाम सेवन करने से दस्त का आना बंद हो जाता है।

जुकाम के नुस्खे

- जुकाम होने पर काली मिर्च, गुड़ और दही मिलाकर खाएं। इससे बंद नाक खुलती है।
- सौंठ, पिप्पली, बेल का गुदा और मुनक्का को एक चौथाई होने तक पानी में उबालें। इसे छानकर उतना ही सरसों का तेल डालकर फिर उबालें। जब पानी हवा में उड़ जाए तब उतारकर ठंडा कर लें। इस मिश्रण की एक बूंद नाक में डालने से जुकाम की लगातार चलने वाली छींकें बंद होंगी।
- दूध में जायफल, अदरक, तथा केशर डालकर खूब उबालें। जब आधा हो जाए तब गुनगुना करके पीएं। जुकाम में तुरंत राहत मिलेगी।
- सात-आठ काली मिर्च को घी में तडका लें और फटाफट खाते जाएं ऊपर से गर्मागर्म दूध या पानी पीएं तो जुकाम से लड़ने की शक्ति बढ़ेगी और कफ खुलेगा।
- पान के रस में लौंग व अदरक का रस मिलाएं, फिर इसे शहद के साथ पीएं, जुकाम गायब होगा।

संतुलित आहार नहीं है जंक फूड

फूड स्वाद में जो लजीज हो साथ ही लोकप्रिय होने के अलावा सहजता से प्राप्त हो जाए किसे पसंद नही आएगा। जंक फूड की लोकप्रियता भले ही स्वाद, सहूलियत और सहज प्राप्त होने के कारण हो, मगर इधर पश्चिमी देशों में यह सौगात पश्चिमी देशों को ही खटकने लगी है। पिछले दिनों ब्रिटेन की ब्रिस्टल यूनीवर्सिटी के शोध चिकित्सकों द्वारा एक बड़े पैमाने पर इस दिशा में शोध किया गया और पाया गया कि जंक फूड का सेवन बच्चों की बुद्धि पर चोट कर रहा है और उनका आई क्यू घटा रहा है। विभिन्न स्थानों पर चार हजार ऐसे बच्चों को चुना गया जो नियमित रूप से जंक फूड के खानपान पर निर्भर थे। उन्होंने बच्चों के चिकित्सीय परीक्षण के बाद पाया कि जो बच्चे चार वर्ष की उम्र से इस प्रकार के खानपान के आदी हो चुके थे, उनकी साढ़े आठ वर्ष की उम्र तक बुद्धि चोट खाकर आधी रह गई थी। उनके सीखने की क्षमता, ग्रहण क्षमता कुंद हो रही थी। जंक फूड का आहार कतई संतुलित आहार नहीं है। अच्छे आई क्यू के लिए अच्छा संतुलित आहार आवश्यक है, बल्कि यह वह समय है जब मस्तिष्क विकास की ओर है, तब उसे सही पौष्टिक भोजन न मिले तो उसका समुचित विकास नहीं होगा और यह चोट हमेशा के लिए लग जाएगी। इसलिए संतुलित भोजन की आवश्यकता तो है ही, साथ ही उसमें विविधता भी होनी चाहिए।

कुछ दशकों पूर्व तक टीबी का इलाज संभव नहीं था, लेकिन एंटीबायोटिक्स के जरिए आज इसका इलाज किया जाने लगा है। अलग-अलग तरह के टीबी रोगियों को अलग-अलग तरह से इलाज की आवश्यकता रहती है।

बैक्टीरिया के कारण होने वाली संक्रमण बीमारी है ट्यूबरक्युलोसिस

ट्यूबरक्युलोसिस यानी टीबी बैक्टीरिया के कारण होने वाली संक्रमण बीमारी है। इसका मतलब कि यह एक से दूसरे व्यक्ति में फैलने वाला रोग है। इसका वैज्ञानिक नाम 'माइकोबैक्टेरियम ट्यूबरक्युलोसिस' है। टीबी की बीमारी ज्यादातर फेफड़े को प्रभावित करती है, लेकिन शरीर के किसी भी अंग पर इसका दुष्प्रभाव देखने को मिल सकता है।

कैसे होता है संक्रमण

टीबी से ग्रस्त रोगियों के कफ, छींकने, खांसने, थूकने और उनके करीब रहकर उनके द्वारा छोड़े गए कार्बनडाइऑक्साइड को सांस लेने के क्रम में लेने से भी दूषित वायु के जरिए कोई भी स्वस्थ व्यक्ति आसानी से टीबी का शिकार हो सकता है। इस तरह से सामने वाले व्यक्ति के लंग्स यानी फेफड़ों पर असर होता है। गौरतलब है कि संक्रमित व्यक्ति के कपड़े छूने या फिर उससे हाथ मिलाने से टीबी नहीं फैलता। हालांकि कुछ समय पूर्व तक बच्चों में पॉश्चराइज्ड दूध न पीने की वजह से भी अक्सर टीबी की गिरफ्त में आने की खबरें देखने को मिलती थीं।

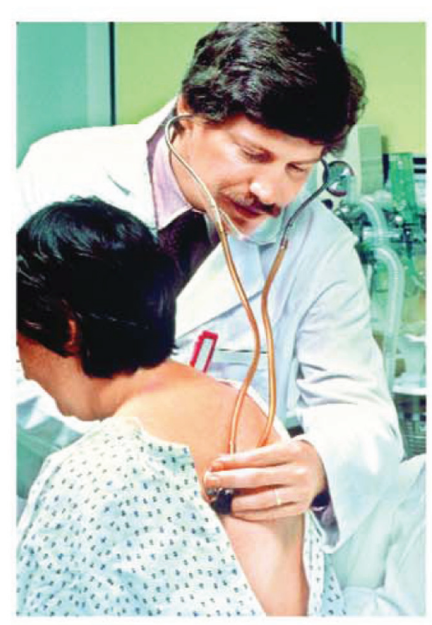

क्या होते हैं टीबी के लक्षण

जब ट्यूबरक्युलोसिस बैक्टीरिया सांस के जरिए फेफड़े तक पहुंचता है तो वह कई गुना बढ़ जाता है। परिणामस्वरूप फेफड़ों को बुरी तरह से प्रभावित करता है। दूसरी ओर टीबी किडनी, हड्डी, मस्तिष्क और स्पाइनल कॉर्ड जैसे शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित करता है। हालांकि शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता शरीर पर इसके बढ़ते प्रभाव को रोकने में मदद करती है, लेकिन जैसे-जैसे शरीर की यह रोग- प्रतिरोधक क्षमता कम होती जाती है, टीबी के संक्रमण से बचना मुश्किल होता जाता है।

खतरा हो सकता है यदि आप..

अकेले रहते हैं या टीबी संक्रमित हैं, गरीब व बेघरों से हैं, आपका जन्म ऐसे देश में हुआ हो, जहां टीबी के मरीज बहुतायत में हैं, नर्सिंगहोम में हों या कोई कैदी जो इससे ग्रस्त हो, यदि आप शराब पीते हैं या फिर ड्रग्स लेते हैं, मधुमेह रोगी, कभी कैंसर के शिकार रहे हैं या फिर एचआईवी संक्रमित लोग। स्वास्थ्य सेवा कर्मचारी भी इसके खतरे की जद में रहते हैं।

क्या हो आहार

एम्स की डायटीशियन माला मनराल के अनुसार टीबी के मरीजों को संतुलित आहार के साथ-साथ हाई प्रोटीन डाइट देना आवश्यक हो जाता है। इसके लिए उन्हें दूध, पनीर, अंडे, चिकन और मछली खाने की सलाह दी जाती है। यदि सामान्य व्यक्ति को एक ग्राम प्रोटीन डाइट लेने की सलाह दी जाती है तो टीबी के मरीजों को अपनी डाइट में 1.5 ग्राम प्रोटीन लेने की सलाह दी जाती है।

चिंता का विषय

यह गंभीर चिंता का विषय है कि पूर्व के मुकाबले टीबी के बैक्टीरिया अब कहीं ज्यादा रेजिजटेंस होते जा रहे हैं, जिन्हें सामान्य दवाओं से रोक पाना मुश्किल हो रहा है। इसका परिणाम यह हो रहा है कि ब्रेन टीबी के मरीजों के लिए टीबी की सामान्य दवाएं असर नहीं कर पा रही हैं। ऐसे में यह कहना पड़ रहा है कि खासकर ब्रेन टीबी के मरीजों के लिए डॉट्स केंद्रों पर किए जा रहे इलाज नाकाफी हैं। इन दिनों इलाज के दौरान ब्रेन टीबी के मरीजों को दी जाने वाली दवाएं बढ़ाकर चार-पांच कर दी गई हैं। इसके बावजूद, उनका इलाज कर पाना आसान नहीं होता।

किन बातों का रखें ख्याल

ऐसे मरीज बिना सही जांच-पड़ताल किए दवाएं न लें। खास ख्याल यह रखना चाहिए कि दवाओं की पूरी डोज खत्म कर लें और तब तक दवाएं बंद न करें, जब तक कि चिकित्सक खुद इसकी सलाह न दें। वह कहते हैं कि डॉट्स केंद्रों में सही समय पर दवाएं देने और उचित इलाज का पूरा-पूरा ख्याल रखने संबंधी सभी सावधानियां बरती जाती हैं। यही वजह है कि डॉट्स केंद्रों पर इलाज करवाने से मरीज को बीमारी से जल्दी उबरने में मदद मिल जाती है।

लक्षण

टीबी होने पर फेफड़े में इंफेक्शन के अलावा शरीर में थकान, वजन कम होना, हर शाम को बुखार आने या बुखार जैसा महसूस होने के साथ-साथ रात में पसीना आने जैसी समस्या से दो-चार होना पड़ता है। लंग इंफेक्शन जब बहुत ज्यादा हो जाता है तो कफ, छाती दर्द, कफ में स्पुटम या खून आने और सांस लेने में दिक्कत होने जैसी समस्या भी आ सकती हैं।

जांच के तरीके

टीबी की जांच करने के कई तरीके हैं जैसे - छाती का एक्स-रे, स्पटम की जांच और स्किन टेस्ट। कभी-कभार छाती के एक्स-रे से भी ट्यूबरक्युलोसिस का पता लगाया जा सकता है। जगह-जगह इसके वैक्सीन भी उपलब्ध हैं। इससे संबंधित सभी जांच भारत सरकार द्वारा नि:शुल्क करवाए जाते हैं।

इलाज

टीबी का इलाज संभव है। भारत सरकार ने शहर से लेकर सुदूर गांवों तक नि:शुल्क टीबी के समुचित इलाज के लिए डॉट्स केंद्र खोले हुए हैं, जहां इसके मरीजों का खास ध्यान रखा जाता है। उन्हें समय-समय पर दवाएं दी जाती हैं और उपचार का पूरा ध्यान रखा जाता है। रोगियों को एंटी-बॉडी टेस्ट के लिए भी कहते हैं। आधुनिक तकनीक के जरिए आईजीएम हीमोग्लोबिन जांच के जरिए भी टीबी का पता लगाया जाता है।

भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने दिव्यांग बच्चों संग मनाई विशेष दीपावली

छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन का दीपावली मिलन समारोह संपन्न

रायपुर। राजधानी रायपुर के होटल बेबीलोन इंटरनेशनल में छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा भव्य दीपावली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा, वन मंत्री केदार कश्यप सहित प्रदेश के अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

दिव्यांग बच्चों के साथ विशेष दीपावली- इस अवसर पर छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट वेलफेयर एसोसिएशन के संरक्षक एवं भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने दिव्यांग बच्चों के साथ दीप प्रज्वलित कर विशेष दीपावली मनाई। उन्होंने बच्चों से आत्मीय भेंट की और उन्हें मिठाई एवं उपहार वितरित करते हुए दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने इस अवसर पर कहा– दिव्यांग जनों की मुस्कान ही सच्चे उत्सव का प्रतीक है। समाज में उनके प्रति संवेदना और सहयोग की भावना को और मजबूत करना ही दीपावली का सच्चा संदेश है। दीपों का यह पर्व सभी के जीवन में सुख-समृद्धि, सौहार्द और नई ऊर्जा लेकर आए। वरिष्ठ अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति- समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, मंत्रीगणों के साथ छत्तीसगढ़ सीमेंट ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष अंजय शुक्ला सहित अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने एसोसिएशन द्वारा समाजसेवा और ट्रांसपोर्ट क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की।

एसोसिएशन के पदाधिकारी भी रहे मौजूद- कार्यक्रम में संरक्षक सुधीर अग्रवाल, अशोक जैन, कोषाध्यक्ष मलकीत सिंह, बस्तर-कोरापुट संगठन के अध्यक्ष सुखदेव सिंह सिद्धू, तथा भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के संरक्षक सुधीर सिंह ठाकुर, महेंद्र सिंह, कार्यकारिणी अध्यक्ष अनिल चौधरी, शाहनवाज कुरैशी, जोगा राव, निर्मल सिंह, सोम सिंह, रमन और चिंटू सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं सदस्यगण मौजूद रहे। भव्य आयोजन में उमड़ा उत्साह और सौहार्द-दीपों, रंगोली और रोशनी से सजे आयोजन स्थल में उत्साह और उमंग का माहौल देखने लायक था। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ अतिथियों ने एक-दूसरे को दीपावली की शुभकामनाएँ दीं और सामूहिक उत्सव की भावना का संदेश दिया। यह आयोजन न केवल मिलन समारोह रहा, बल्कि समाज में एकता, सहयोग और संवेदना की मिसाल भी बना।

दीपावली मिलन समारोह एवम युवक-युवती परिचय सम्मेलन लोधेश्वर धाम में 9 नवंबर को

रायपुर। लोधेश्वर धाम लोधी क्षत्रिय समाज रायपुर छत्तीसगढ़ एवं अखिल भारतीय लोधी-लोधा-लोध राष्ट्रीय महासभा नई दिल्ली के तत्वावधान में दीपावली मिलन समारोह, वार्षिक सम्मेलन, युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं स्मारिका विमोचन समारोह का आयोजन आगामी 9 नवंबर 2025, रविवार को किया जाएगा। यह आयोजन कुम्हारी स्थित टोल प्लाजा के पास लोधेश्वरधाम परिसर में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय लोधी-लोधा-लोध महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं एटा (उत्तर प्रदेश) से विधायक विपिन कुमार वर्मा, सभापति उत्तर प्रदेश शासन (राज्य मंत्री दर्जा प्राप्त) होंगे। वहीं, विशेष अतिथि के रूप में वृंदावन धाम से अमृतवाणी एवं शिवपुराण वाचक दीदी ममता किशोरी लोधी शामिल होंगी, जो समाज को आध्यात्मिक और प्रेरणादायी प्रवचन देंगी। इस अवसर पर युवक-युवती परिचय सम्मेलन भी होगा, जिसमें देशभर से विवाह योग्य युवक-युवतियां शिरकत करेंगे। सम्मेलन के दौरान समाज की स्मारिका का प्रकाशन भी किया जाएगा। प्रकाशन हेतु बायोडाटा और रंगीन फोटोग्राफ शीघ्र भेजने की अपील की गई है। रजत जयंती वर्ष को विशेष बनाने के लिए समाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित होंगे। स्मारिका में आलेख, कविता, कहानी, समाज के रीति-रिवाजों पर विचार, वीरांगना अवंतीबाई लोधी और स्वामी ब्रह्मानंद लोधी की जीवनगाथा पर लेख सहित शुभकामना संदेश आमंत्रित किए गए हैं। इस कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारीगण, सदस्यगण, जनप्रतिनिधि, महिलाएं और बड़ी संख्या में स्वजातीय बंधु उपस्थित रहेंगे।

12वीं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाली सौम्या दीक्षित को स्वर्ण पदक से किया गया सम्मानित

अम्लेश्वर। कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित प्रतिभा सम्मान समारोह 2025 में समाज की प्रतिभाशाली छात्रा कुमारी सौम्या दीक्षित को 12वीं में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने पर स्वर्ण पदक (गोल्ड मेडल) से सम्मानित किया गया। यह सम्मान समारोह दिनांक 26 अक्टूबर 2025 को आशीर्वाद भवन में संपन्न हुआ। सौम्या दीक्षित ने अपनी मेहनत और लगन के दम पर न केवल 12वीं की परीक्षा में श्रेष्ठ अंक प्राप्त किए, बल्कि पहले ही प्रयास में परीक्षा क्वालिफाई कर एमबीबीएस के लिए शासकीय मेडिकल कॉलेज, जगदलपुर में प्रवेश भी प्राप्त किया है। उनकी यह उपलब्धि समाज और क्षेत्र दोनों के लिए गर्व का विषय बनी हुई है। सौम्या के पिता डॉ. अमित दीक्षित, अधिष्ठाता (डीन), उद्यानिकी महाविद्यालय सांकरा, तथा माता ममता दीक्षित ने सदैव उन्हें अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करने वाला अनुकूल वातावरण प्रदान किया। सौम्या की सफलता में माता-पिता का योगदान अनुकरणीय बताया गया। बताया गया कि सौम्या दीक्षित प्रारंभ से ही मेधावी छात्रा रही हैं। इससे पहले भी उन्होंने 10वीं कक्षा में सर्वोच्च अंक प्राप्त कर गोल्ड मेडल हासिल किया था। उनकी निरंतर उत्कृष्ट उपलब्धियां समाज के अन्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत बन गई हैं। समारोह में समाज के पदाधिकारियों ने सौम्या के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि उनकी सफलता से समूचा समाज गौरवान्वित है।

आस्था, श्रद्धा और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पर समाजसेवी इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने श्रद्धालुओं को दी शुभकामनाएं

भिलाई के विभिन्न छठ घाटों का किया भ्रमण, सूर्यदेव की आराधना में हुए सहभागी

भिलाई। आस्था, श्रद्धा और सूर्य उपासना के लोक महापर्व छठ पूजा के तृतीय दिवस 'संध्या अर्घ्य' के पावन अवसर पर समाजसेवी एवं हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के डायरेक्टर इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने शहर के विभिन्न छठ घाटों का भ्रमण कर श्रद्धालुओं से भेंट की और उन्हें पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इंद्रजीत सिंह 'छोटू' ने सूर्यकुंड बैकुंठ धाम, कैंप-1 तालाब रामनगर, भेलवा तालाब कोहका सहित कई छठ घाटों पर पहुंचकर उपवास रखी माताओं-बहनों और श्रद्धालुओं से मुलाकात की। उन्होंने सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि की मंगलकामना करते हुए कहा कि - छठ पर्व सूर्यदेव की आराधना और प्रकृति के प्रति आभार का प्रतीक है, जो हमें संयम, सेवा और सामूहिकता का संदेश देता है। पूजन सामग्री उठाकर दी सेवा की मिसाल- इस अवसर पर इंद्रजीत सिंह ने स्वयं भी श्रद्धालुओं की सहायता करते हुए छठ पूजन सामग्री को सिर पर उठाकर घाट तक पहुंचाया और सूर्यदेव की आराधना में शामिल हुए। श्रद्धालुओं ने उनके इस सहयोगी भाव की सराहना की, वहीं उपस्थित बुजुर्गों ने उन्हें आशीर्वाद देते हुए उनके निरंतर समाजसेवी कार्यों की प्रशंसा की। समाजसेवी टीम भी रही साथ-कार्यक्रम में उनके साथ मलकीत सिंह 'लल्लू', अनिल चौधरी, जोगराव, शहनवाज कुरैशी, राम सहित अन्य सहयोगी भी उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद वितरण किया और छठ घाटों पर व्यवस्था में योगदान दिया। छठ पर्व के अवसर पर भिलाई के घाटों में भक्ति, श्रद्धा और उल्लास का अद्भुत संगम देखने को मिला। सूर्यदेव की आराधना करते हुए महिलाएं और श्रद्धालु देर शाम तक पूजा-अर्चना में लीन रहे।

लोक आस्था के महापर्व में शामिल हुए भाजपा जिला अध्यक्ष, छठ व्रतियों को फलाहार वितरण कर लिया आशीर्वाद

बलरामपुर। लोक आस्था का महापर्व छठ के चार दिनों तक चलने वाली यह पर्व का आज समापन हो गया। पूर्व संध्या के बेला में भाजपा जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश जायसवाल ने छठ व्रतियों को फलाहार वितरण कर उनका आशीर्वाद लिया। छठ महापर्व चार दिनों तक चलने वाला एक अत्यंत पवित्र और कठोर अनुष्ठान है,जिसकी शुरुआत 25 अक्टूबर 2025 को 'नहाय-खाय' से सुरु हुई,जिसमें व्रती स्नान कर सात्विक भोजन ग्रहण कर पर्व के दूसरे दिन,26 अक्टूबर को 'खरना' पश्चात दिनभर का निर्जला व्रत रख सूर्यास्त के बाद गुड़ से बनी हुई खीर को ग्रहण किया और आज 28 अक्टूबर को छठ महापर्व का समापन हो गया है।

श्रद्धालुओं को छठ पर्व की दी शुभकामनाएं-भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश जायसवाल ने कहा कि हिंदू धर्म में छठ महापर्व का विशेष महत्व है,जो भगवान सूर्य और छठी मैया को समर्पित है। यह त्योहार भक्ति, संयम और पवित्रता का प्रतीक है। वैदिक पंचांग के अनुसार,कार्तिक मास की षष्ठी तिथि से शुरू होने वाला यह चार दिवसीय पर्व इस साल 25 अक्टूबर से शुरू होकर आज 28 अक्टूबर 2025 को समाप्त हो गया है। छठी मैया का आर्शीवाद सभी जिले वासियों पर बना रहे और हर वर्ष ऐसे ही भव्यता के साथ में हम छठी मैया की पूजा अर्चना कर पाए। मेरे जिले के लोग हमेशा सुख-समृद्धि से परिपूर्ण रहें और छठी मैया ने जो हमें सेवा करने का मौका मिला इसके लिए मैं अपने आप को कृतज्ञ मानता हूं।

पुलिस अधीक्षक और जिला पंचायत सीईओ ने किया कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण, दिए आवश्यक निर्देश

- राज्योत्सव का आयोजन 02 से 04 नवम्बर तक, तैयारी जोरों पर

मुंगेली। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिला मुख्यालय स्थित वीर शहीद धनंजय सिंह स्टेडियम में 02 से 04 नवम्बर तक तीन दिवसीय राज्योत्सव का आयोजन गरिमामय वातावरण में किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न विकास विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर विभागीय प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार कार्यक्रम की व्यापक तैयारियां जोरों पर है। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक भोजराम और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रभाकर पाण्डेय ने आज कार्यक्रम स्थल पहुंचकर तैयारियों का अवलोकन किया और आवश्यक निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक ने राज्योत्सव के दौरान कार्यक्रम स्थल पर यातायात और कानून सहित अन्य व्यवस्थाओं के सुचारू संचालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी विभागों के अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्यक्रम के सफल आयोजन के साथ ही निर्धारित समय-सीमा में तैयारी पूरी करने निर्देशित किया। जिला पंचायत सीईओ ने कार्यक्रम स्थल में मंच निर्माण, विद्युत, पेयजल, चिकित्सा, साफ-सफाई एवं स्वच्छता, वाहन पार्किंग, साउण्ड सिस्टम, बैठक व्यवस्था, आमंत्रण कार्ड, फायर ब्रिगेड सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने निर्देशित किया। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर मायानंद चंद्रा, मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

जनदर्शनः आमजनों ने मांगों एवं समस्याओं के निराकरण की मांग की, 100 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए

मुंगेली। जिला कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिला पंचायत सीईओ प्रभाकर पाण्डेय ने जिले के आमजनों की मांगों एवं समस्याओं को गंभीरता से सुनी और नियमानुसार निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

इस दौरान जिले के विभिन्न ग्रामों एवं नगरीय निकायों से पहुंचे आमजनों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं के निराकरण की मांग की। जनदर्शन में 100 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, इनमें ग्राम खेढ़ा के अजय तिवारी ने बिजली बिल में सुधार कराने, ग्राम झझपुरीकला के मिल्लूराम साहू ने पानी निकासी की व्यवस्था कराने, ग्राम लोहड़िया के छोटेलाल बघेल ने स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय योजना का लाभ दिलाने, ग्राम अखरार के हीरालाल कुम्भकार ने इलेक्ट्रॉनिक चाक दिलाने, नगर पंचायत बरेला की वर्षा धीवर ने जिला बाल संरक्षण योजना का लाभ दिलाने, ग्राम किशनपुर के चन्दूलाल ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन दिलाने, ग्राम बमुरहाडीह के किसान संतराम ने राजस्व अभिलेख में अपने नाम में त्रुटि सुधार कराने, ग्राम खाम्हीकुर्मी के ग्रामीणों ने ग्राम में शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने, ग्राम दरवाजा के गौतम जायसवाल ने प्रधानमंत्री मुद्रा लोन योजनांतर्गत ऋण दिलाने, ग्राम भथरी के ग्रामीणों ने बिलासपुर-तखतपुर-मुंगेली सड़क मार्ग में अधिग्रहित भूमि का मुआवजा राशि दिलाने सहित अन्य आवेदकों ने अपनी मांगों एवं समस्याओं के निराकरण की मांग की।

जिला पंचायत सीईओ ने प्राप्त आवेदनों पर गंभीरतापूर्वक विचार कर संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए। इस दौरान मुंगेली एसडीएम अजय शतरंज, डिप्टी कलेक्टर सारिका मित्तल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री आवास योजनाः गरीब परिवारों के सपनों को मिल रहा मजबूत सहारा

मन्नू लाल को मिला सुरक्षित पक्का आवास, अब हर घर में खुशहाली की रोशनी

मुंगेली। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) ने जिले के उन परिवारों के जीवन में आशा की किरण जगाई है, जिनका स्वयं का एक पक्का घर का सपना था। शासन की इस महत्वाकांक्षी योजना ने हजारों जरूरतमंद परिवारों के सपनों को पंख दिए हैं। ''सबका साथ-सबका विकास'' की भावना को साकार करते हुए पात्र लाभार्थियों को सुरक्षा, स्वच्छता और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराया जा रहा है। इसी क्रम में मुंगेली विकासखण्ड के ग्राम पंचायत पदमपुर के मन्नू लाल नट, जो रोज़ी-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं, उन्हें वर्ष 2024-25 में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पक्का मकान स्वीकृत हुआ। वर्षों से कच्चे घर में रहने वाले मन्नू लाल के लिए यह घर जीवन बदलने वाला अवसर साबित हुआ है। मन्नू लाल ने बताया कि बरसात के दिनों में कच्चे मकान की टपकती छत और कमजोर दीवारों के कारण हर समय चिंता बनी रहती थी। मेहनत-मजदूरी से जो आमदनी होती थी, उसमें घर खर्च चलाना ही बहुत था, इसलिए पक्का घर बनवाना सिर्फ सपना था, लेकिन शासन द्वारा आवास स्वीकृत होने के बाद उनका सपना हकीकत में बदल गया। उन्होंने बताया कि अब हमारे बच्चे सुरक्षित पक्के घर में रहते हैं। पहले की तरह बारिश और तूफान में डर नहीं लगता। पक्के मकान ने हमारे परिवार को सम्मान और खुशी दी है। यह योजना हमारे जीवन में वरदान बनकर आई है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित शासन-प्रशासन के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है, जिन्होंने उनके परिवार के लिए यह खुशहाली संभव बनाई है।

सरगुजा ज्वॉइंट डायरेक्टर डॉ अनिल शुक्ला, सीएमएचओ डॉ प्रशांत के द्वारा नए डीटीसी भवन कोरिया का निरीक्षण किया गया

कोरिया। आज दिनांक 29 अक्टूबर 2025 को संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं सरगुजा संभाग डॉ अनिल कुमार शुक्ला के द्वारा कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बैकुंठपुर जिला कोरिया का आकस्मिक निरीक्षण किया गया निरीक्षण के उपरांत वहां पदस्थ समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारी की विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई बैठक में समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया गया कि वे निर्धारित समय अवधि पर अपने कार्य पर उपस्थित होवे एवं जो भी दायित्व प्राप्त है उसे समय सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें ताकि आम जनमानस से जुड़ा हुआ कोई भी कार्य पेंडिंग ना रहे शासकीय एवं आमजन से जुड़ा हुआ कोई भी कार्य में लापरवाही ना की जाए भविष्य में आकस्मिक निरीक्षण में अधो हस्ताक्षरकर्ता को किसी भी प्रकार की लापरवाही प्रदर्शित होती है तो संबंधित अधिकारी /कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी इसके जिम्मेदार स्वयं होंगे

इसके उपरांत डॉक्टर प्रशांत कुमार सिंह मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बैकुंठपुर जिला कोरिया एवं सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉक्टर आयुष जायसवाल एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्री अशरफ अंसारी के साथ जिला क्षय नियंत्रण केंद्र बैकुंठपुर जिला कोरिया का भी आकस्मिक निरीक्षण किया गया एवं वहां पदस्थकर्मचारियों को भी तत् संबंध में निर्देश जारी किया गया कि सभी समय पर विभागीय दायित्वों का निर्वहन करें कोई भी आमजन से जुड़ा हुआ कार्य लंबित न रहे इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जाए।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायलीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com